केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
16 वर्षों से निरंतर....
Website:- www.malwaherald.com
RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 352 | उज्जैन, बुधवार 03 जून 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

सुविचार

आपकी श्रेष्ठता निःसंदेह अदृश्य हो सकती है, लेकिन इनका प्रभाव सदा दूसरों के हृदय में विराजमान रहता है...

भोजशाला में बनेगा भव्य सरस्वती लोक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

राजा भोज की कर्मस्थली धार में होगी भोज शोध संस्थान की स्थापना

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि धार स्थित भोजशाला परिसर में राज्य सरकार भव्य सरस्वती लोक बनायेगी। धार में राजा भोज संस्थान की स्थापना भी की जायेगी। राजा भोजपाल द्वारा धार में स्थापित भोजशाला सदियों तक ज्ञान-विज्ञान-अनुसंधान और संस्कृत भाषा का सबसे प्रखर केन्द्र रहा है। भोजशाला में दूर-दूर से विद्यार्थी और विद्वान ज्ञान अर्जित करने और शास्त्रों पर विमर्श करने आते थे। राज्य सरकार भोजशाला के उसी गौरवशाली अतीत को पुनर्जीवित करने के लिए सभी जरूरी प्रयास करेगी। राजा भोज की कर्मस्थली धार में राजा भोज शोध संस्थान की भी स्थापना की जायेगी। भोजशाला के लिए हुए आंदोलन में शहादत देने वाले तीन शहीदों स्व. बनसिंह, स्व. अंतरसिंह एवं स्व. लक्ष्मण सिंह के निकटतम परिजन को राज्य सरकार की ओर से 5-5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले अपने संबोधन में ये विचार व्यक्त किए। प्रदेश में गेंहूँ उपार्जन के नए रिकार्ड के लिए, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव का पुष्प-गुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के राष्ट्र सेवा के सफल 12 वर्ष के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दी बधाई- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 26 मई 2026 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्र सेवा के सफल 12 वर्ष पूर्ण हुए हैं। देशवासियों की आशा के प्रतीक प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में विगत 12 वर्षों में भारत ने विकास के साथ आत्मनिर्भरता, सुरक्षा, सांस्कृतिक गौरव, डिजिटल क्रांति और वैश्विक नेतृत्व के नए आयाम स्थापित किए हैं। अंत्योदय की भावना के साथ अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचा है। राष्ट्र प्रथम की भावना से लड्ढह मंत्र में गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति के उत्थान तक, सीमाओं की सुरक्षा से नक्सल व आतंक मुक्त भारत के निर्णायक परिणाम तक, भारत ने अनेक ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों की ओर से प्रधानमंत्री श्री मोदी को बधाई दी।

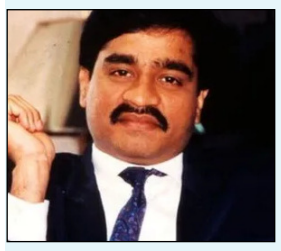

समान नागरिक संहिता के संबंध में 15 जून तक दिए जा सकेंगे सुझाव- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समान नागरिक संहिता के संबंध में सुझाव प्राप्त करने के लिए वेबसाईट निर्माण की पहल को सराहा। उन्होंने कहा कि जिलों में उच्च स्तरीय समीति द्वारा भ्रमण किया जा रहा है, जहां जन सामान्य, राजनीतिक दल, गैर शासकीय संगठन आदि इस संबंध में अपना मत प्रस्तुत करेंगे। सुझाव देने की अंतिम तिथि 15 जून 2026 निर्धारित की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्री परिषद के सदस्यों को यूसीसी के लिये बनी इस उच्च स्तरीय समिति और इसके कार्यों तथा वेबसाईट का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इससे हमें अधिक से अधिक सुझाव प्राप्त हो सकेंगे।

प्रदेश के आधुनिक कौशल प्रशिक्षण मॉडल से युवाओं को विदेश में मिल रहे हैं रोजगार के अवसर- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क में विकसित हो रहा कौशल तंत्र अब युवाओं को अंतर्राष्ट्रीय रोजगार अवसरों से भी जोड़ रहा है। संस्थान के बैच-9 के 3विद्यार्थियों का चयन हंगरी में रोजगार के लिए हुआ है। चयनित विद्यार्थी हंगरी पहुंचकर अपने पेशेवर दायित्वों का निर्वहन प्रारंभ कर चुके हैं। इस वर्ष माह अप्रैल-मई 2026 में 16 कम्पनियों में 236 युवाओं को प्लेसमेंट मिला है। यह उपलब्धि प्रदेश में विकसित हो रहे आधुनिक कौशल प्रशिक्षण मॉडल और उद्योगोन्मुख शिक्षा व्यवस्था को रेखांकित करती है।

वर्ष 2025-26 में दुग्ध उत्पादकों को 1609 करोड़ रुपए का भुगतान- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में प्रतिदिन 9 लाख 67 हजार किलोग्राम औसत दुग्ध संकलन की उपलब्धि दर्ज हुई है। दुग्ध संघों ने दुग्ध उत्पादक किसानों को गत वर्ष की तुलना में 15 प्रतिशत से अधिक राशि का भुगतान किया गया है। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के मार्गदर्शन में हुए कार्यों से वर्ष 2024-25 में 1398 करोड़ रूपए की तुलना में वर्ष 2025-26 में दुग्ध उत्पादकों को 1609 करोड़ रुपए की राशि के भुगतान में सफलता मिली है। दुग्ध उत्पादकों को समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रणाली अपनाई गई है। विभिन्न दुग्ध संघों में खरीद मूल्य में 2.50 से 8.50 रूपए प्रति लीटर की वृद्धि की गई है।

13 लाख 42 हजार किसानों द्वारा समर्थन मूल्य पर गेहूँ का विक्रय- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पश्चिम मध्य एशिया की विषम परिस्थितियों के बावजूद प्रदेश में सफलतापूर्वक गेहूँ उपार्जन का कार्य पूर्ण किया गया। प्रदेश में 104.36 लाख मेट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गेहूँ के समर्थन मूल्य राशि 2585 रूपए प्रति क्विंटल के अतिरिक्त 40 रूपए प्रति क्विंटल की दर से राज्य सरकार द्वारा बोनस दिया गया। कुल 2625 रूपए प्रति क्विंटल की दर से गेहूँ का उपार्जन किया गया, जिससे राज्य के किसानों को समर्थन मूल्य की राशि के अतिरिक्त राशि 417 करोड़ रूपए प्राप्त होगी। कोविड-19 को छोड़कर प्रदेश में विगत 10 वर्षों में इस वर्ष सर्वाधिक 104.36 लाख मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि समर्थन मूल्य पर 13 लाख 42 हजार किसानों द्वारा गेहूँ का विक्रय किया गया, जो कि गेहूँ विक्रय करने वाले किसान संख्या की दृष्टि से पूरे भारत में सर्वाधिक है। मध्यप्रदेश, पंजाब के बाद दूसरे स्थान पर है। प्रदेश में पहली बार लघु एवं सीमांत कृषकों को गेहूँ विक्रय करने का अवसर प्रदान किया गया। सप्ताह में 05 दिन के स्थान पर 06 दिन (शनिवार को भी) गेहूँ का उपार्जन किया गया है। किसानों को 25,096.99 करोड़ रुपए की राशि का भुगतान किया जा चुका है और शेष भुगतान प्रचलित है।

न्यूज ब्रीफ

तमिलनाडु के CM विजय का विपक्ष पर पलटवार, विधायकों की खरीद-फरोख्त के आरोपों को किया खारिज

नई दिल्ली/ जीएनएस। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को विपक्षी पार्टियों द्वारा उन पर लगाए गए विधायकों की खरीद-फरोख्त के आरोपों को खारिज कर दिया और मुख्य प्रतिद्वंद्वियों द्रमुक और अन्नाद्रमुक पर गुप्त रूप से लूट के लिए सरकार बनाने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जितना अधिक द्रमुक उनकी आलोचना करेगी, उतना ही यह टीवीके के लिए फायदेमंद होगा। मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद अपनी पहली रैली को संबोधित कर विजय ने अपनी सरकार को आम आदमी की सरकार बताया और पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर आरोप लगाया कि वे उन्हें सरकार बनाने से रोकने का प्रयास कर रहे हैं। विपक्ष के लगाए विधायकों की खरीद-फरोख्त (हार्स ट्रेडिंग) के आरोपों को खारिज करते हुए उन्होंने इसे एक झूठी कहानी बताया और द्रमुक को बुराई की ताकत और अन्नाद्रमुक को खर्चीली ताकत कहा। उन्हें सत्ता में आने से रोकने के लिए विजय ने आरोप लगाया कि प्रतिद्वंद्वी द्रमुक और अन्नाद्रमुक एक साथ आए और एक नाटक किया। चुनाव परिणामों की घोषणा के तुरंत बाद यह लगभग पांच दिनों तक चला और यह राजनीतिक नाटक की चरम सीमा थी जिसने यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि क्या वास्तव में ऐसा हो सकता है। जैसे-द्रमुक और अन्नाद्रमुक एक सामान्य प्रतिद्वंद्वी को सत्ता में आने से रोकने के लिए एकजुट हो सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 4 मई को चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद दोनों द्रविड़ पार्टियों ने सौदेबाजी की और गुप्त रूप से सरकार बनाने का प्रयास किया ताकि लूट की जा सके। उन्होंने आरोप लगाया कि द्रमुक की परिवार राजनीति अप्रैल 23 के विधानसभा चुनाव में द्रविड़ियन प्रमुख की हार का कारण थी। टीवीके समर्थकों का मजाक उड़ाने पर विजय ने कहा कि जो लोग पहले द्रमुक और अन्नाद्रमुक को वोट देते थे, उन्होंने ही अब उनकी पार्टी को स्पष्ट बहुमत से जिताया है। उन्होंने यह भी खारिज किया कि लोग केवल उनके सिनेमा आकर्षण के लिए वोट देते हैं।

धुरंधर से नाराज डी-कंपनी, दाऊद गैंग हुआ एक्टिव; मुंबई को दहलाने की साजिश

नई दिल्ली/ जीएनएस। अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम की डी-कंपनी धुरंधर फिल्म के बाद अपनी घटती पकड़ और बिगड़ती छवि को सुधारने के लिए मुंबई में बड़े आतंकी हमले की साजिश रच रही थी।कंपनी दाऊद यानी बड़ा साहब को जिंदा और एक्टिव साबित करने के लिए इस प्लान पर काम कर रही थी। रणवीर सिंह अभिनीत फिल्म 'धुरंधर' फ्रैंचाइजी ने दाऊद इब्राहिम को बीमार और बिस्तर पर लेटे हुए आतंकी लीडर के रूप में दिखाया था, जिससे डी-कंपनी की पीआर मशीन बुरी तरह प्रभावित हुई थी। फिल्म पाकिस्तान और खाड़ी देशों में बैन हो गई, लेकिन वहां टोरेंट पर सबसे ज्यादा डाउनलोड होने वाली फिल्मों में से एक बन गई। जिसके बाद दाऊद के समर्थकों ने अपनी ताकत दिखाने का फैसला किया। NDTV की खबर के अनुसार डी-कंपनी ने मुंबई में बड़े हमले या किसी प्रभावशाली व्यक्ति को निशाना बनाने की योजना बनाई थी। इसका मकसद अंडरवर्ल्ड में अपनी घटती दबदबे को फिर से स्थापित करना था। छोटा शकील के गिरोह को कट्टरपंथी युवाओं की भर्ती का जिम्मा सौंपा गया। भर्ती किए गए युवा असल मकसद से अनजान थे। उन्हें मुंबई के बांद्रा गरिब नगर में अवैध मस्जिद पर बुलडोजर कार्रवाई का मुद्दा उठाकर उकसाया गया। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने इन युवाओं को ट्रेनिंग दी और हथियार मुहैया कराए। मुंबई के जोगेश्वरी का रहने वाला मुन्ना झिंगड़ा उर्फ सैयद मुदस्सर हुसैन दाऊद का दाहिना हाथ माना जाता है। वह छोटा शकील के लिए भी काम कर चुका है और अपनी निशानेबाजी के लिए कुख्यात है। झिंगड़ा इस साजिश को अंजाम देने का मुख्य हैंडलर था।

सूरत में भीषण सड़क हादसाः दो बसों की टक्कर के बाद लगी आग, 5 लोगों की मौत

नई दिल्ली/ जीएनएस। सूरत जिले के बारडोली के पास उवा गांव के पास आज एक बहुत ही दिल दहला देने वाला और भयानक हादसा हुआ। यह बड़ा हादसा तब हुआ जब महाराष्ट्र पासिंग की दो लग्जरी बसों की आमने-सामने टक्कर हो गई।

शुरुआती खबरों के मुताबिक, इस भयानक हादसे में पांच यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई लोगों के गंभीर रूप से घायल होने का शक है।

मिली जानकारी के मुताबिक, उवा गांव के पास से गुजर रही महाराष्ट्र पासिंग की दो बसों के बीच टक्कर इतनी जोरदार थी कि एक बस सड़क पर पलट गई। हादसा होते ही पलटी हुई बस में अचानक भीषण आग लग गई।

सुप्रिया सुले के होने वाले समधी को भाजपा ने बनाया MLC उम्मीदवार

नई दिल्ली/ जीएनएस। राकांपा (शरद चंद्रपवार) की सांसद सुप्रिया सुले के होने वाले समधी अरुण लखानी को भाजपा ने महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव में चंद्रपुर-वर्धा-गढ़चिरौली सीट से पार्टी का उम्मीदवार बनाया है।

लखानी के बेटे सारंग की शादी सुले की बेटी रेवती से होने वाली है। इस संबंध में सोमवार को लखानी ने कहा कि राजनीति और पारिवारिक संबंध अलग-अलग मामले हैं।

भाजपा उम्मीदवार घोषित होने के बाद उन्होंने एक मराठी समाचार चैनल को बताया कि सुप्रिया ताई ने मुझे बधाई संदेश भेजा। पवार परिवार का जिक्र स्वाभाविक है, क्योंकि यह एक बड़ा राजनीतिक परिवार है और हम रिश्तेदार हैं। मुझे इसमें कुछ भी असामान्य नहीं लगता।

जब उनसे पूछा गया कि क्या उनकी राजनीतिक संबद्धता और पवार परिवार से पारिवारिक संबंध एक अनूठा समीकरण बनाते हैं, तो लखानी ने कहा कि राजनीति अलग है और दोनों पक्ष अपनी-अपनी विचारधाराओं के लिए प्रतिबद्ध हैं।

कारोबारी अरुण लखानी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सहित महाराष्ट्र भाजपा के नेताओं ने मेरे ऊपर भरोसा व्यक्त किया है। इससे मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

आंशिक कार्य दिवसों में वरिष्ठ अधिवक्ताओं को दलीलें रखने की अनुमति नहीं, सुप्रीम कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को स्पष्ट किया कि न्यायालय के आंशिक कार्य दिवसों के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ताओं को न तो मामलों को तत्काल सूचीबद्ध कराने की अनुमति दी जाएगी और न ही सूचीबद्ध मामलों में दलीलें रखने की।

शीर्ष अदालत ने कहा कि यह कदम सोमवार से 12 जुलाई तक न्यायालय के आंशिक कार्य दिवसों के दौरान युवा वकीलों को अपने मामलों में दलीलें रखने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

शीर्ष अदालत में ग्रीष्मावकाश को अब न्यायालय के आंशिक कार्य दिवस कहा जाता है। इस साल इस अवधि के दौरान प्रत्येक सप्ताह तीन से चार पीठ सुनवाई करेंगी।जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा, मेरी अदालत में किसी वरिष्ठ अधिवक्ता को अनुमति नहीं दी जाएगी। जब एक वरिष्ठ अधिवक्ता ने मामले का उल्लेख करने का प्रयास किया तो न्यायमूर्ति नाथ ने स्पष्ट किया कि इस अवधि के दौरान केवल युवा वकीलों और एडवोकेट-आन-रिकार्ड को दलीलें रखने की अनुमति होगी। हालांकि, पीठ ने यह भी कहा कि जिन मामलों में वरिष्ठ अधिवक्ता पेश हो रहे हैं, उन्हें खारिज नहीं किया जाएगा और उन्हें सामान्य कार्यदिवस के बाद जुलाई में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा।

न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की एक अन्य पीठ ने भी कहा कि न्यायालय के आंशिक कार्य दिवसों के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ताओं को मामलों का उल्लेख करने या दलीलें रखने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

यदि कनिष्ठ अधिवक्ता मामलों में दलीलें रखते हैं तो नोटिस जारी होने की संभावना अधिक है और यदि वरिष्ठ अधिवक्ता दलीलें रखते हैं तो मामला खारिज होने की संभावना अधिक है। एक अन्य न्यायमूर्ति संजय करोल ने भी इसी तरह की टिप्पणी की।

खुद को आइसोलेट करें, इबोला पर स्वास्थ्य मंत्रालय की एडवाइजरी; भारत में अब तक एक भी केस नहीं

नई दिल्ली/ जीएनएस। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने मंगलवार को इबोला प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों के लिए एहतियाती सलाह जारी की है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भारत में अब तक इबोला का कोई भी एक्टिव मामला सामने नहीं आया है, लेकिन अफ्रीका के कुछ हिस्सों में बीमारी के लगातार फैलने के मद्देनजर निगरानी और तैयारियां मजबूत कर दी गई हैं। मंत्रालय ने उन सभी लोगों से अपील की है जिन्होंने पिछले 21 दिनों के भीतर किसी इबोला प्रभावित देश की यात्रा की है या वहां से गुजरे हैं।

यदि बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, उल्टी, दस्त या बिना किसी वजह से खून बहने जैसे लक्षण दिखें तो तुरंत खुद को आइसोलेट कर लें और स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों को सूचित करें।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा, जल्द रिपोर्ट करने से जान बचाई जा सकती हैं और बीमारी के फैलने को रोका जा सकता है।

CBSE के अध्यक्ष और सचिव का तबादला, अनियमितताओं की जांच के लिए पैनल का गठन

नई दिल्ली/ जीएनएस। OSM विवाद के बीच CBSE के चेयरमैन राहुल सिंह और सचिव हिमांशु गुप्ता का तबादला कर दिया गया है। CBSE द्वारा ऑन-स्क्रीन मार्किंग सेवाओं की खरीद की जांच के लिए एक लिए एक जांच समिति का गठन किया गया है। सीबीएसई के ऑन स्क्रीन मार्किंग सिस्टम में बड़े स्तर पर सामने आई गड़बड़ियों और पुनर्मूल्यांकन से जुड़े पोर्टल के शुरू न होने की शिकायतों के बाद शिक्षा मंत्रालय ने उच्च स्तरीय जांच शुरू कर दी है। जांच रिपोर्ट के बाद जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मंत्रालय ने यह कदम ऐसे वक्त उठाया है जब एक रोज पूर्व ही सीबीएसई ने ऑनलाइन मूल्यांकन पोर्टल में सुरक्षा खामी स्वीकार की थी। सीबीएसई ने माना था कि 12वीं बोर्ड की उत्तर पुस्तिकाओं का डाटा पब्लिक डोमेन में होने के दावा सही है।

ओएसएम मूल्यांकन से जुड़ी कोएम्प्ट एडुकेट कंपनी को ठेका दिए जाने की पूरी रिपोर्ट भी तलब की गई है। इसके साथ ही ओएसएम मूल्यांकन से जुड़ी निविदा प्रक्रिया के दस्तावेजों को भी जांचने के आदेश दिए हैं। यह कदम निजी फर्म को ठेका दिए जाने की चयन प्रक्रिया, तकनीकी पात्रता मानदंडों और कथित प्रक्रियागत चूकों को लेकर बढ़ती जांच-पड़ताल और विरोध प्रदर्शनों के बाद उठाया गया है।

सूत्रों के अनुसार, मंत्रालय इस बात की जांच कर रहा है कि ठेका देते समय खरीद संबंधी मानदंडों और वित्तीय नियमों का पूरी तरह से पालन किया गया था या नहीं। मंत्रालय ने इसके साथ ही मूल्यांकन से प्रभावित छात्रों को जल्द ही राहत देने के उपायों पर काम शुरू कर दिया है। जिसमें पुनर्मूल्यांकन को तेजी से कराने सहित काउंसिलिंग के समय को बढ़ाने जैसे उपाय किए जा सकते हैं। बता दें कि ओएसएम सिस्टम में खामी को लेकर विपक्ष लगातार सरकार पर हमलावर है और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहा है।

पाकिस्तान की बढ़ी अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यताः क्या करेगा भारत?

नई दिल्ली/ जीएनएस। पाकिस्तान के सैन्य और नागरिक नेतृत्व के साथ अंतरराष्ट्रीय समुदाय की बढ़ती निकटता भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गई है। यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काया कलास का 1 जून 2026 को पाकिस्तान दौरा इस सिलसिले की नवीनतम कड़ी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के नेतृत्व में पाकिस्तान को दी जा रही तवज्जो के बाद अब यूरोपीय संघ भी सक्रिय होकर आगे आ गया है। भारत के नजरिए से यह घटनाक्रम सीमा पार आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग थलग करे की निरंतर कूटनीतिक कोशिशों को कमजोर करने वाला साबित सकता है।

मई 2025 में भारत ने पहलगाम आतंकी हमले (26 निर्दोष नागरिकों की हत्या) के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पीओके स्थित आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए थे। इस अभियान ने लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसी संगठनों से पाकिस्तान की साठ-गांठ को पूरी दुनिया के समक्ष उजागर किया।

इसके पहले भी मुंबई हमला, भारतीय संसद पर हमला जैसे दर्जनों आतंकवादी घटनाओं में पाकिस्तान की एजेंसियों की भूमिका सामने आती रही है। इस बारे में सबूतों के साथ भारत वैश्विक मंचों पर पाकिस्तान को आतंकवाद का केंद्र बताता रहा है। इसमें पूर्व में सफलता भी मिली है। लेकिन परंतु पिछले कुछ महीनों के घटनाक्रम स्पष्ट संकेत दे रहे हैं कि पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय बिरादरी में फिर से कूटनीतिक महत्व हासिल कर रहा है।

यूरोपीय संघ की उच्च प्रतिनिधि काया कलास ने एक दिवसीय दौरे पर इस्लामाबाद पहुंचकर उप-प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री इशाक डार के साथ 8वें ईयू-पाकिस्तान सामरिक संवाद की सह-अध्यक्षता की। उन्होंने राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ (अब फील्ड मार्शल) आसिम मुनीर से विस्तृत मुलाकातें कीं।

यूरोपीय संघ ने पाकिस्तान को ÷प्रमुख क्षेत्रीय शक्ति÷ करार देते हुए पश्चिम एशिया में अमेरिका-ईरान तनाव के दौरान युद्धविराम और वार्ता कराने में उसकी मध्यस्थ भूमिका की सराहना की। बैठक में द्विपक्षीय व्यापार (वार्षिक 12 अरब यूरो), जीएसपी+ व्यापार सुविधा और मानवाधिकार सुधारों पर भी चर्चा हुई।

जैन मंदिर चोरी कांड का खुलासा, सात आरोपी गिरफ्तार, 13.15 लाख रुपये का मशरूका बरामद

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। थाना एरोड्रम पुलिस ने ग्रेटर बाबा परिसर स्थित श्री दिगम्बर जैन नवग्रह जिनालय में हुई चोरी की सनसनीखेज वारदात का पर्दाफाश करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अष्टधातु एवं चांदी की मूर्तियां, पूजा सामग्री और वारदात में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल सहित कुल 13 लाख 15 हजार रुपये मूल्य का मशरूका बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार 4 मई 2026 को फरियादी अनुराग वैध ने थाना एरोड्रम में शिकायत दर्ज कराई थी कि 3 मई की रात अज्ञात बदमाश मंदिर का ताला तोड़कर अंदर घुसे और अष्टधातु की मूर्तियां, चांदी के बर्तन तथा अन्य धार्मिक सामग्री चोरी कर ले गए। शिकायत पर थाना एरोड्रम में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त जोन-1 नरेन्द्र सिंह रावत ने आरोपियों की गिरफ्तारी पर 10 हजार रुपये के इनाम की घोषणा की थी। सहायक पुलिस आयुक्त विवेक सिंह चौहान के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने घटनास्थल से लेकर शहर के विभिन्न क्षेत्रों के लगभग 200 सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों तक पहुंच बनाई।

जांच के दौरान पुलिस ने पहले चरण में ललित चौहान, विशाल केवट, ओमप्रकाश चौहान और गीता बाई मकवाना को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से चांदी एवं अष्टधातु की मूर्तियां, चांदी के कलश तथा एक मोटरसाइकिल बरामद की गई। बाद में आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया।

पुलिस की लगातार कार्रवाई के दौरान 1 जून को मुखबिर से सूचना मिली कि चोरी में शामिल तीन अन्य आरोपी चांदी की वस्तुएं बेचने की फिराक में धार रोड से इंदौर आ रहे हैं। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपियों का पीछा किया। सुपर कॉरिडोर क्षेत्र में तेज बारिश और आंधी के दौरान मोटरसाइकिल फिसलने से आरोपी गिर पड़े, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें दबोच लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान लखन मकवाना, दीपक और रामबाबू यादव के रूप में हुई। पूछताछ में उन्होंने जैन मंदिर में चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। इनके कब्जे से दो अष्टधातु की मूर्तियां, एक अष्टधातु की थाली, चांदी की मूर्तियां, पांडुशिला, कलश, कटोरा, चांदी की थालियां, चांदी के पाइप, वारदात में प्रयुक्त लोहे की टॉमी तथा एक मोटरसाइकिल बरामद की गई।

पुलिस ने बताया कि सभी सात आरोपियों के खिलाफ मध्यप्रदेश सहित गुजरात, छत्तीसगढ़, हरियाणा और पश्चिम बंगाल में चोरी, लूट एवं नकबजनी के कई मामले दर्ज हैं। मामले के खुलासे में थाना एरोड्रम, थाना तेजाजी नगर, साइबर सेल एवं फिंगर प्रिंट शाखा की टीमों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ जारी है तथा उनके आपराधिक नेटवर्क और अन्य वारदातों के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

उत्कृष्ट कार्य के लिए 29 पुलिसकर्मी सम्मानित, प्रशस्ति पत्र व नगद पुरस्कार प्रदान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बेहतर पुलिसिंग को प्रोत्साहित करने और उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों का उत्साहवर्धन करने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नरेट इंदौर में संचालित साप्ताहिक पुरस्कार कार्यक्रम के तहत मंगलवार को 29 पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया गया। पलासिया स्थित पुलिस कमिश्नर कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय एवं सराहनीय कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र और नगद पुरस्कार प्रदान कर उनके कार्यों की सराहना की।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (मुख्यालय) श्री आर.के. सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी सम्मानित पुलिसकर्मियों को बधाई देते हुए उनके उत्कृष्ट कार्यों की प्रशंसा की और भविष्य में भी इसी तरह समर्पण एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

सम्मानित पुलिसकर्मियों में थाना एरोड्रम और तेजाजी नगर के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल रहे, जिन्होंने जैन मंदिर चोरी प्रकरण में आरोपियों की गिरफ्तारी और चोरी गया माल बरामद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। थाना खजराना के पुलिसकर्मियों को बकरीद पर्व के दौरान संवेदनशील क्षेत्रों में प्रभावी कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सम्मानित किया गया।

थाना एमजी रोड और छत्रीपुरा के पुलिसकर्मियों को विभिन्न अपराधों में अज्ञात आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी तथा चोरी का माल बरामद करने में उल्लेखनीय योगदान के लिए पुरस्कृत किया गया। वहीं अपराध शाखा की टीम को संगठित गिरोह के फरार इनामी आरोपी को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर सम्मान मिला।

कार्यक्रम में अपराध शाखा की पुलिसकर्मी बबली खाकरे को हरियाणा में आयोजित योगासन प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पदक जीतने के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

देवास नाका पर वाल्व खराब होने से कई क्षेत्रों में जलापूर्ति प्रभावित, निगम ने शुरू किया सुधार कार्य

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास नाका चौराहे पर स्थित ट्रैकमैन वाल्व के अचानक खराब हो जाने से शहर के कई क्षेत्रों में जलापूर्ति प्रभावित हो गई है। सूचना मिलते ही नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल मौके पर पहुंचे और स्थिति का निरीक्षण कर अधिकारियों को तत्काल सुधार कार्य शुरू करने के निर्देश दिए।

स्थल निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त श्री आशीष पाठक सहित जलप्रदाय विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। आयुक्त ने वाल्व की खराबी को जल्द से जल्द दूर करने के निर्देश देते हुए नागरिकों को होने वाली असुविधा कम करने पर जोर दिया। वाल्व खराब होने के कारण स्कीम नंबर 114 पार्ट-1, स्कीम नंबर 78, राजीव आवास विहार, लोहा मंडी, स्कीम नंबर 113, स्कीम नंबर 136, स्कीम नंबर 78 स्लाइस-1 तथा स्कीम नंबर 78 स्लाइस-2 क्षेत्र की पानी की टंकियों से होने वाला जलप्रदाय अस्थायी रूप से प्रभावित रहेगा। नगर निगम के जलप्रदाय विभाग द्वारा सुधार कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। प्रभावित क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति बनाए रखने के लिए अतिरिक्त टैंकरों की व्यवस्था की गई है, ताकि नागरिकों को पेयजल की समस्या का सामना न करना पड़े। नगर निगम ने बताया कि सोमवार रात आए आंधी-तूफान के कारण महेश्वर स्थित पंप स्टेशन में भी तकनीकी फॉल्ट आया था, जिससे कुछ टंकियां पूरी क्षमता से नहीं भर सकीं। हालांकि इन क्षेत्रों में सामान्य जलापूर्ति प्रभावित नहीं होने की संभावना है।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने संवेदनशीलता से सुनीं समस्याएं, मौके पर दिए समाधान के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी मंच बनकर उभरी है। जनसुनवाई में पहुंचे विभिन्न आवेदकों की समस्याओं को कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने संवेदनशीलता के साथ सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए त्वरित सहायता सुनिश्चित की।

जनसुनवाई में पहुंचे श्री अमित रावत ने कलेक्टर श्री शिवम वर्मा को बताया कि उनके पास रहने के लिए स्वयं का आवास नहीं है तथा वे शासन की आवास योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। कलेक्टर श्री वर्मा ने मामले को संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को पात्रता अनुसार आवास योजना का लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

एक अन्य प्रकरण में श्रीमती रानी जाट आर्थिक तंगी की समस्या लेकर जनसुनवाई में पहुंचीं। उन्होंने अपनी पारिवारिक एवं आर्थिक परिस्थितियों से अवगत कराया। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

इसी प्रकार जनसुनवाई में पहुंचीं श्रीमती ममता यादव की समस्या भी सुनी गई। उनकी स्थिति को देखते हुए कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने उन्हें भी आवश्यक आर्थिक सहायता प्रदान किए जाने के निर्देश दिए।

परीक्षा कार्यों में पारदर्शिता और समयबद्धता जरूरी: डॉ. ममता चन्द्रशेखर

इंदौर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में मासिक विशेष व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत परीक्षा, परिणाम एवं प्रभाव विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। महाविद्यालय की कलाम कक्षा में आयोजित कार्यक्रम में शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टॉफ ने सहभागिता की।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता एवं महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. ममता चन्द्रशेखर ने कहा कि उच्च शिक्षा में परीक्षा प्रणाली केवल वार्षिक अथवा सेमेस्टर परीक्षाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (सीसीई), प्रोजेक्ट कार्य, असाइनमेंट, सेमिनार तथा आंतरिक मूल्यांकन भी विद्यार्थियों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, निष्पक्षता और समयबद्धता बनाए रखना प्रत्येक शिक्षक एवं कर्मचारी का दायित्व है।

डॉ. चन्द्रशेखर ने सीसीई, प्रोजेक्ट तथा आंतरिक मूल्यांकन संबंधी अंकों के समय पर संकलन, सत्यापन और पोर्टल पर प्रविष्टि की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि मूल्यांकन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की त्रुटि विद्यार्थियों के परिणामों को प्रभावित कर सकती है। इसलिए सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी सावधानी और जिम्मेदारी के साथ करना चाहिए।

उन्होंने परीक्षा परिणामों के संस्थागत प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि किसी भी महाविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता उसके परीक्षा परिणामों, मूल्यांकन की विश्वसनीयता तथा अकादमिक अनुशासन से परिलक्षित होती है। उन्होंने सभी विभागों से परीक्षा एवं मूल्यांकन संबंधी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने तथा विद्यार्थियों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आग्रह किया।

व्याख्यान के दौरान परीक्षा प्रबंधन, मूल्यांकन प्रक्रिया, सीसीई एवं प्रोजेक्ट अंकों के संधारण तथा परिणामों की गुणवत्ता से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम ने उपस्थित शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टॉफ को परीक्षा संबंधी दायित्वों के प्रति अधिक सजग एवं उत्तरदायी बनने के लिए प्रेरित किया।

अंत में डॉ. हरीश मिमरोट ने मुख्य वक्ता डॉ. ममता चन्द्रशेखर का आभार व्यक्त किया।

जनसुनवाई में पहुंचे 84 प्रकरण, पुलिस कमिश्नर ने दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आमजन की शिकायतों के त्वरित निराकरण और प्रभावी समाधान के उद्देश्य से मंगलवार को पुलिस कमिश्नर कार्यालय में जनसुनवाई आयोजित की गई। पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह ने जनसुनवाई में पहुंचे नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को शीघ्र एवं निष्पक्ष कार्रवाई के निर्देश दिए।

मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार आयोजित इस जनसुनवाई में कुल 84 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें पारिवारिक विवाद, बेटा-बहू द्वारा प्रताड़ना, दामाद द्वारा बेटी से मिलने नहीं देने, भतीजों द्वारा परेशान करने, आपसी मतभेद, पैसों के लेन-देन से जुड़े मामले, प्लॉट, मकान और जमीन संबंधी धोखाधड़ी, वित्तीय ठगी, सुनवाई न होने की शिकायतें, महिला अपराध तथा अन्य पुलिस संबंधी प्रकरण प्रमुख रहे।

पुलिस कमिश्नर ने प्रत्येक आवेदक की समस्या को विस्तार से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को मौके पर तथा दूरभाष के माध्यम से आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने प्रकरणों के त्वरित, निष्पक्ष और प्रभावी निराकरण पर जोर देते हुए कहा कि आमजन को समय पर न्याय और राहत उपलब्ध कराना पुलिस की प्राथमिकता है।

जनसुनवाई के दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) श्री मयंक अवस्थी सहित सभी जोन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने भी आवेदकों की समस्याओं को विस्तार से सुना और कई मामलों में तत्काल कार्रवाई प्रारंभ कराई।

इस अवसर पर पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह ने नागरिकों को आश्वस्त किया कि इंदौर पुलिस उनकी सुरक्षा, न्याय और अधिकारों के संरक्षण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिकायत का संवेदनशील और प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही है।

उन्होंने यह भी बताया कि इंदौर पुलिस द्वारा संचालित मध्यस्थता केंद्रों के माध्यम से पारिवारिक एवं आपसी विवादों में काउंसलिंग कर सौहार्दपूर्ण समाधान निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे मामलों का शीघ्र और शांतिपूर्ण निराकरण संभव हो सके।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी शिवम वर्मा ने की बड़ी कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री शिवम वर्मा ने इंदौर जिले में गौ माँस का अवैध रूप से क्रय-विक्रय और परिवहन करने वाले दो कुख्यात आरोपियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की है। उन्होंने इन दोनों आरोपियों को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत निरूद्ध कर जेल भेजने के आदेश जारी किये हैं। इन दोनों आरोपियों के विरूद्ध अन्य गंभीर प्रकरण भी दर्ज हैं। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री शिवम वर्मा द्वारा जिन आरोपियों के विरूद्ध रासुका की कार्रवाई की गई है, उनमें बण्डा बस्ती महू के कादिर पिता फतेह मोहम्मद और मोहम्मद आबाद उर्फ कल्ला पिता मोहम्मद अनवर उर्फ अन्ना शामिल हैं। बताया गया कि इन दोनों आरोपियों के विरूद्ध गौ माँस का अवैध रूप से क्रय-विक्रय और परिवहन करने आदि के संबंध में अपराध पंजीबद्ध है। साथ ही इनके विरूद्ध धार्मिक और साम्प्रदायिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने, लोकशांति भंग करने आदि प्रकरण दर्ज हैं।

मई 2026 में कृषि उपज मंडी समिति इन्दौर की आय में सुधार, प्राप्य राशि मिलने पर 17.97 प्रतिशत वृद्धि की संभावना

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कृषि उपज मंडी समिति इन्दौर द्वारा मई 2026 तक की आय (मंडी शुल्क) का विश्लेषण जारी किया गया है। विश्लेषण के अनुसार लगभग 13 माह बाद मंडी की वास्तविक मासिक आय में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई है। साथ ही, गेहूं उपार्जन पर प्राप्य मंडी शुल्क एवं आयातित तुअर पर दी गई छूट की प्रतिपूर्ति को शामिल करने पर मंडी समिति की आय में उल्लेखनीय वृद्धि परिलक्षित होती है।

मई माह में वास्तविक मंडी शुल्क आय में बढ़ोतरी- मंडी समिति के सचिव ने बताया कि मई 2025 में वास्तविक मंडी शुल्क प्राप्ति 4 करोड़ 28 लाख 28 हजार 966 रुपये थी, जो मई 2026 में बढ़कर 4 करोड़ 31 लाख 44 हजार 367 रुपये हो गई है। इस प्रकार मई माह की आय में वृद्धि दर्ज की गई है, जो पिछले लगभग 13 महीनों में पहली सकारात्मक वृद्धि मानी जा रही है। हालांकि अप्रैल-मई की संचयी अवधि में वर्ष 2025 के दौरान 10 करोड़ 26 लाख 95 हजार 630 रुपये की तुलना में वर्ष 2026 में 8 करोड़ 93 लाख 64 हजार 871 रुपये का वास्तविक मंडी शुल्क प्राप्त हुआ है।

आयातित तुअर पर छूट एवं गेहूं उपार्जन का प्रभाव- मंडी सचिव ने बताया कि वर्तमान आय दो प्रमुख कारणों से प्रभावित हुई है। चालू वित्तीय वर्ष अप्रैल-मई 2026 के दौरान आयातित तुअर (दलहन) पर कुल 1 करोड़ 56 लाख 86 हजार 902 रुपये की छूट दी गई है, जिसमें मई माह में 88 लाख 52 हजार 460 रुपये की छूट शामिल है। इसके अतिरिक्त वर्ष 2026 में गेहूं उपार्जन की कुल 6 लाख 13 हजार 448 क्विंटल मात्रा पर 2,625 रुपये प्रति क्विंटल के भाव से मंडी शुल्क की प्राप्य राशि 1 करोड़ 61 लाख 3 हजार 9 रुपये बनती है। इनमें से मई माह का प्राप्य मंडी शुल्क 1 करोड़ 17 लाख 92 हजार 392 रुपये है। विश्लेषण में बताया गया है कि यदि शासन के प्रावधानों के अनुसार गेहूं उपार्जन पर प्राप्य मंडी शुल्क प्राप्त हो जाता है तथा आयातित तुअर पर दी गई छूट की प्रतिपूर्ति को आय में शामिल किया जाता है, तो मंडी समिति की कुल संभावित आय 12 करोड़ 11 लाख 54 हजार 782 रुपये तक पहुंच जाएगी। इस स्थिति में वर्ष 2025 की समान अवधि की 10 करोड़ 26 लाख 95 हजार 630 रुपये की आय की तुलना में लगभग 17.97 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज होगी। वहीं केवल मई माह के आधार पर संभावित वृद्धि का प्रतिशत 48.93 प्रतिशत तक पहुंच सकता है।

आउटर क्षेत्र के ढाबों पर इंदौर पुलिस की कार्रवाई, 14 ढाबों पर आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में अवैधानिक गतिविधियों पर नियंत्रण और कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस ने आउटर क्षेत्र के ढाबों पर विशेष जांच अभियान चलाया। थाना हीरानगर और थाना बाणगंगा पुलिस की संयुक्त टीम ने विभिन्न ढाबों पर आकस्मिक दबिश देकर शराबखोरी कराने वालों के खिलाफ कार्रवाई की।

पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री मयंक अवस्थी तथा पुलिस उपायुक्त जोन-3 श्री अभिषेक रंजन के मार्गदर्शन में यह अभियान संचालित किया गया। सहायक पुलिस आयुक्त हीरानगर श्रीमती रुबिना मिजवानी के नेतृत्व में थाना प्रभारी हीरानगर सुशील पटेल और थाना प्रभारी बाणगंगा सियाराम गुर्जर सहित पुलिस बल की संयुक्त टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया।

पुलिस टीम ने 1 जून की शाम से देर रात तक एमआर-10, सुपर कॉरिडोर और उज्जैन रोड क्षेत्र स्थित ढाबों की सघन जांच की। अभियान के दौरान कुल 25 ढाबों की जांच की गई, जिनमें से 14 ढाबों पर ग्राहकों को बैठाकर शराब पिलाई जाती पाई गई। इन सभी ढाबा संचालकों के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 36(ए) के तहत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई।

जांच के दौरान यह भी पाया गया कि कई ढाबा संचालकों ने अपने यहां कार्यरत कर्मचारियों की जानकारी संबंधित थानों में उपलब्ध नहीं कराई थी। इस पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 के तहत भी कार्रवाई की।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि संबंधित संचालकों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें भविष्य में नियमों का उल्लंघन नहीं करने की सख्त चेतावनी दी गई है। इंदौर पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शहर और उसके आसपास के क्षेत्रों में अवैध गतिविधियों के खिलाफ ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे।

संयोगितागंज पुलिस ने पकड़ी अवैध शराब से भरी कार, 16 पेटी देशी मदिरा जब्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अवैध शराब के परिवहन और कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना संयोगितागंज पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 16 पेटी अवैध देशी शराब से भरी एक कार जब्त की है। जब्त शराब की अनुमानित कीमत 60 हजार 800 रुपये तथा वाहन की कीमत करीब 4 लाख रुपये बताई गई है। मामले में फरार आरोपी की तलाश की जा रही है।

पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर अवैध शराब एवं मादक पदार्थों के विरुद्ध लगातार सघन चेकिंग और पेट्रोलिंग की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस उपायुक्त जोन-3 श्री अभिषेक रंजन, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त श्री रामस्नेही मिश्रा तथा सहायक पुलिस आयुक्त श्री तुषार सिंह के मार्गदर्शन में थाना संयोगितागंज पुलिस ने यह कार्रवाई की।

पुलिस के अनुसार उपनिरीक्षक अरविंद खत्री के नेतृत्व में गठित टीम क्षेत्र में नियमित चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक कार में अवैध शराब का परिवहन किया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन पुलिस को देखकर वाहन के पास मौजूद एक संदिग्ध व्यक्ति फरार हो गया।

पुलिस ने कार क्रमांक एमपी-13-ज़ेड्यू-9493 की जांच की। वाहन के सभी दरवाजे और डिक्की लॉक पाए गए। अंदर शराब की पेटियां दिखाई देने पर नियमानुसार पंचनामा तैयार कर वाहन का लॉक खोला गया। तलाशी के दौरान पिछली सीट और डिक्की से देशी मदिरा प्लेन शराब की 16 पेटियां बरामद हुईं।

कॉमन महिला मित्र को लेकर विवाद में छात्र पर चाकू से हमला, तीन आरोपी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। थाना लसूडिया पुलिस ने रेनेसॉ कॉलेज के छात्र पर चाकू से हमला कर हत्या का प्रयास करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त चाकू भी बरामद कर लिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कॉलेज में हुई मामूली कहासुनी और एक कॉमन महिला मित्र को लेकर हुए विवाद के चलते आरोपियों ने घटना को अंजाम दिया था।

पुलिस के अनुसार 30 मई 2026 की रात लगभग 10:30 बजे थाना लसूडिया क्षेत्र के बावड़ी हनुमान मंदिर के पीछे स्थित खाली मैदान में रेनेसॉ कॉलेज के छात्र आर्यन मुकाती और उज्ज्वल प्रजापत के बीच विवाद हुआ था। दोनों छात्र एक ही कॉलेज में अध्ययनरत हैं। कॉलेज में हुई कहासुनी के बाद आरोपी उज्ज्वल ने आर्यन को बातचीत के बहाने अगले दिन रात में उक्त स्थान पर बुलाया।

निर्धारित स्थान पर आर्यन अपने दोस्तों के साथ पहुंचा, जहां पहले से मौजूद उज्ज्वल प्रजापत, शत्रुघ्न शेखावत और अभिषेक वाल्टर ने उसके साथ गाली-गलौच करते हुए विवाद किया। इसी दौरान आरोपियों ने चाकू से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद आर्यन के दोस्तों ने उसे उपचार के लिए ज्योति अस्पताल पहुंचाया।

घटना की सूचना मिलते ही थाना लसूडिया पुलिस मौके पर पहुंची और फरियादी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान मामले की गंभीरता को देखते हुए हत्या के प्रयास की धारा भी बढ़ाई गई।

त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने शत्रुघ्न शेखावत, उज्ज्वल प्रजापत और अभिषेक वाल्टर को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त चाकू भी बरामद किया है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले में विस्तृत विवेचना जारी है तथा आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए इस प्रकार की घटनाओं में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शासकीय चरनोई भूमि से 35 दुकानों का अतिक्रमण हटाया गया

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार सोमवार को तहसील मल्हारगंज के ग्राम बांक में शासकीय चरनोई भूमि पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई सर्वे क्रमांक 182 एवं 187/1 की लगभग 1.500 हेक्टेयर भूमि पर की गई। कार्रवाई के दौरान टीन शेड से निर्मित गैरेज, ऑटो पार्ट्स तथा वाहन सर्विसिंग से संबंधित लगभग 35 दुकानों को हटाया गया। संबंधित भूमि को कलेक्टर इंदौर द्वारा धार रोड थाना, जनपद पंचायत इंदौर तथा फायर स्टेशन के लिए आवंटित किया गया है।

मंदसौर में बन रहा देश का सबसे बड़ा विद्युत सबस्टेशन, 14 हजार मेगावाट क्षमता

कलेक्टर गर्ग ने अरनिया जटिया में पम्प हाउस एवं रणायरा में पावर ग्रिड परियोजना का किया निरीक्षण

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर अदिती गर्ग ने मल्हारगढ़ सूक्ष्म सिंचाई परियोजना अंतर्गत ग्राम अरनिया जटिया में निर्मित हो रहे पम्प हाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता एवं प्रगति का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने परियोजना के नक्शे का भी अवलोकन किया तथा बैक वाटर की संभावित समस्या के निराकरण के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पम्प हाउस का निर्माण कार्य नवंबर माह तक पूर्ण कर लिया जाएगा। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत अनुकूल जैन सहित अन्य सभी संबंधित अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे। इसके पश्चात कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने संजीत रोड स्थित ग्राम रणायरा में निर्माणाधीन पावर ग्रिड परियोजना का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने उन्हें परियोजना की प्रगति एवं तकनीकी विशेषताओं की जानकारी दी। पावर ग्रिड में कलेक्टर ने पौधारोपण भी किया।

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा मंदसौर जिले के रणायरा ग्राम के समीप देश के सबसे बड़े विद्युत सबस्टेशनों में से एक का निर्माण किया जा रहा है। भारत सरकार के महारत्न सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम पावरग्रिड की यह महत्वाकांक्षी परियोजना प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के विजन के अनुरूप विकसित की जा रही है। प्रस्तावित विद्युत सबस्टेशन की कुल पारेषण क्षमता लगभग 14 हजार मेगावाट होगी। इसका मुख्य उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन केंद्रों से उत्पन्न विद्युत का प्रभावी एवं निर्बाध पारेषण सुनिश्चित करना है। यह सबस्टेशन मध्यप्रदेश विद्युत ग्रिड से जुड़कर राज्य में नवीकरणीय ऊर्जा के वितरण एवं आपूर्ति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाएगा। परियोजना के पूर्ण होने पर मध्यप्रदेश देश के ऊर्जा मानचित्र पर एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित होगा। साथ ही यह परियोजना भारत सरकार के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों की प्राप्ति, कार्बन उत्सर्जन में कमी तथा ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देगी। पावरग्रिड द्वारा अत्याधुनिक तकनीक एवं उच्च गुणवत्ता मानकों के साथ निर्माण कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है। परियोजना के संचालन में आने के बाद प्रदेश सहित देश के विभिन्न हिस्सों को इसका प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा।

बड़े अस्पताल में पोरवाल वार्ड का उपयोग कबाड़ के रूप में जिसकी उपेक्षा बर्दाश्त नही

7 दिन में सुधार नहीं हुआ तो पोरवाल युवा संगठन करेगा आंदोलन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल भारतीय पोरवाल युवा संगठन का एक प्रतिनिधिमंडल आज कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में पहुंचा तथा जिला चिकित्सालय मंदसौर स्थित पोरवाल वार्ड की दुर्दशा एवं उपेक्षा को लेकर कलेक्टर महोदय के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि समाज के भामाशाहों एवं दानदाताओं द्वारा जनहित एवं मरीजों की सुविधा के लिए निर्मित पोरवाल वार्ड को अस्पताल प्रशासन द्वारा वर्षों से उपेक्षित रखा गया है। मरीजों के उपयोग में आने वाला यह वार्ड आज कबाड़ सामग्री का केंद्र बनकर रह गया है, जो समाज की भावनाओं एवं दानदाताओं के योगदान का खुला अपमान है।

प्रतिनिधिमंडल में समाज के वरिष्ठ रामगोपाल जी घाटिया(ऐरा वाले) रामगोपाल जी गुप्ता (इंजीनियर), देवेंद्र जी मरचया एडवोकेट,नरेंद्र उदिया राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय पोरवाल युवा संगठन,संजय पोरवाल, संजय धनोतिया, अजय धनोतिया, निलेश पोरवाल एवं पंकज पोरवाल सहित समाज के अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। एडीएम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए 7 दिवस के भीतर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। युवा संगठन ने प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समयावधि में पोरवाल वार्ड को मरीजों के उपयोग हेतु प्रारंभ नहीं किया गया और उसकी वर्तमान दुर्दशा समाप्त नहीं हुई, तो अखिल भारतीय पोरवाल युवा संगठन समाजजनों के साथ मिलकर व्यापक जनआंदोलन शुरू करेगा। युवा संगठन का कहना है कि यह केवल एक भवन का विषय नहीं, बल्कि समाज की आस्था, भामाशाहों के सम्मान और जनसेवा की भावना का प्रश्न है। समाज की इस धरोहर को बचाने एवं पुनः जनहित में उपयोग सुनिश्चित करने के लिए संगठन हर स्तर पर संघर्ष करेगा।

नारा - समाज की धरोहर का होगा सम्मान, पोरवाल वार्ड बनेगा फिर से मरीजों की पहचान! उक्त जानकारी अखिल भारतीय पोरवाल युवा संगठन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी राहुल वेद द्वारा दी गई।

वन विभाग में रिश्वतखोरी, अपने ही विभाग के कर्मचारी को भी नहीं छोड़ा, लोकायुक्त ने दबोचा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वन विभाग में रिश्वतखोरी उजागर हो रही है। अपने ही विभाग के कर्मचारी को भी नहीं छोड़ा गया है। लोकायुक्त ने आरोपी को दबोचा लिया है। रिश्वत की रकम तीन हजार है। सूत्रों के अनुसार मामले में दो और आरोपी बताए गए हैं, जिसके चलते कार्रवाई लम्बी घूमती रही है। इस संबंध में वन विभाग के मुखिया संजय रायखेड़े से संपर्क करने पर उनका मोबाइल नॉट रिस्पॉन्डिंग मिला।

पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त उज्जैन आनन्द कुमार यादव के मार्गदर्शन में उज्जैन लोकायुक्त दल द्वारा कृष्ण प्रताप सिंह राठौर, स्थापना शाखा प्रभारी को रिश्वत लेते हुए मंदसौर में ट्रैप किया गया। जानकारी के अनुसार आवेदक ललित मीणा, वनरक्षक, गांधी सागर अभ्यारण पूर्व रेंज मंदसौर जिला मंदसौर द्वारा दिनाँक 27 मई को लोकायुक्त कार्यालय उज्जैन में उपस्थित होकर पुलिस अधीक्षक आनन्द कुमार यादव को शिकायत आवेदन पत्र प्रस्तुत कर शिकायत की थी कि उसके द्वारा स्वयं के इलाज हेतु अहमदाबाद गुजरात जाने के लिए 43 दिवस के अर्जित अवकाश हेतु आवेदन लेकर कृष्णप्रताप सिंह राठौर, स्थापना शाखा प्रभारी सामान्य वन मंडल मंदसौर से मिला तो कृष्ण प्रताप सिंह राठौर द्वारा आईएफएमआईएस पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करने और तीन चार हजार रुपए रिश्वत देने का कहा। आवेदक द्वारा प्रस्तुत शिकायत की तस्दीक की गई तो कृष्णप्रताप सिंह राठौर, स्थापना शाखा प्रभारी के द्वारा रिश्वत मांग की पुष्टि होने पर आज दिनांक 02 जून को ट्रैप आयोजित कर आरोपी कृष्ण प्रताप सिंह राठौर को आवेदक से 3,000 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए सामान्य वन मंडल कार्यालय मंदसौर मे स्थापना शाखा कक्ष में रंगे हाथों पकड़ा गया। लोकायुक्त दल में उप पुलिस अधीक्षक दिनेशचंद्र पटेल, निरीक्षक हिना डाबर, प्रआर हितेश ललावत, आरक्षक उमेश जाटव, आर मोहम्मद इसरार, आरक्षक श्याम शर्मा रहे।

जीतू पटवारी का आरोप : भाजपा सरकार का मध्यप्रदेश में पूरा तंत्र भ्रष्टाचार का केंद्र बन गया

पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन की उपस्थिति में दो दिवसीय ब्लॉक, नगर एवं मंडल अध्यक्ष की कार्यशाला शुरू हुई

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में मंगलवार को दो दिवसीय संगठन सृजन कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। जिसे संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि जब से प्रधानमंत्री मोदी बने हैं, तब से इस देश में अर्थव्यवस्था,रोजगार एवं भाईचारा चौपट हो गया है। उन्होंने कहा कि इस देश में 300 लोगों के पास 100 लाख करोड रुपए हैं अर्थात 90त्न जनता का पैसा 10त्न लोगों के पास है। गरीब और ज्यादा गरीब होता जा रहा है। महंगाई ने कमर तोड़ दी है। भाजपा सरकार का मध्य प्रदेश में पूरा तंत्र भ्रष्टाचार का केंद्र बन गया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि अब पार्टी बदल रही है निचले स्तर पर कार्यकर्ताओं की राय लेकर ही बड़े टिकट दिए जाएंगे पार्टी अपना काम इमानदारी से कर रही है अब आपको भी अपना काम इमानदारी से करना चाहिए। हमें मुकाबले भारतीय जनता पार्टी से करना है।

कार्यशाला में मंदसौर जिले के ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नगर अध्यक्ष एवं मंडलम अध्यक्ष को ही प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षक ललित सेन ने सर्वप्रथम प्रस्तावना रखते हुए प्रशिक्षण के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षण और संगठन का महत्व बताते हुए कार्यकर्ता कैसे बेहतर बने इस पर अपने विचार रखें।

गुजरात से आये प्रमुख प्रशिक्षक रजनीकांत ने विस्तृत चर्चा करते हुए अनेक बिंदुओं पर प्रमुखता से विचार रखें और कार्यकर्ताओं के भी सुझाव आमंत्रित किये। उन्होंने भारत के लिए संघर्ष, भारत कैसा होना चाहिए, कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के बलिदान, महात्मा गांधी के सर्वोदय विचारों को विस्तार से रखा। उन्होंने कहा कि गांधी ने 32 वर्षों में सर्वोदय के लिए जल्दी वातावरण तैयार किया। उन्होंने कहा कि गांधी और भगत सिंह तथा नेहरू एवं पटेल में कोई विवाद नहीं था यह सब बनाई गई बातें हैं। कांग्रेस के सभी नेता सर्वोदय को महत्व देखकर अखंड भारत का निर्माण करना चाहते हैं। इस अवसर पर पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन ने जय जगत गीत भी प्रस्तुत किया। प्रशिक्षण को मध्य प्रदेश के संगठन प्रभारी महामंत्री डॉक्टर संजय कामले ने संबोधित करते हुए संगठन में ईमानदारी से कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने कई प्रकार के उदाहरण देकर संगठन की अंदरुनी सच्चाई को भी कार्यकर्ताओं को समझाने का प्रयास किया। कार्यक्रम को प्रशिक्षक भूपेंद्रजी ने भी सोशल मीडिया टेक्नोलॉजी पर अपने विचार व्यक्त किये। आरंभ में कांग्रेस के दिवंगत नेता महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, डॉ आंबेडकर एवं राजीव गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की भी प्रस्तुति की गई। उपरोक्त जानकारी कार्यशाला के मीडिया प्रभारी डॉ. प्रीतिपालसिंह राणा ने दी। इस अवसर पर कांग्रेस वर्किंग कमेटी सदस्य पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन, जिला प्रभारी सदाशिव यादव, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष महेंद्र सिंह गुर्जर, विधायक विपिन जैन, प्रदेश प्रशिक्षक ललित सैन, पूर्व विधायक नवकृष्ण पाटिल, पूर्व विधायक पुष्पा भारतीय, विधानसभा प्रभारी फरजाना खान, बंशीलाल पाटीदार, वरिष्ठ नेता प्रकाश रातडिया, परशुराम सिसोदिया, राकेश पाटीदार, सोमिल नाहटा, राजेश रघुवंशी, हनीफ शेख, मंजीत सिंह टुटेजा, डॉ. प्रीतिपालसिंह राणा, अजय लोढ़ा, दीपक सिंह गुर्जर, सुरेंद्र कुमावत, प्रवीण मांगरिया, यूनुस मेव, तरुण खींची, रविन्द्र रांका, सुनील बसेर, दुर्गेश पटेल, दिलीप देवड़ा, बालेश्वर पाटीदार, रफत पयामी, वाहिद जैदी, सुनील गुप्ता, रूपल संचेती, राखी सत्रावाला, नेहा जैन, सहित वरिष्ठ नेतागण विशेष रूप से उपस्थित रहे।

औषधि विभाग द्वारा मेडिकल संस्थानों का निरीक्षण किया, दो मेडिकल फर्मो को कारण बताओ नोटीस जारी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा बताया गया कि बीपीएल चौराहा मन्दसौर में संचालित मेडिकल संस्थानों का निरीक्षण किया गया। जिसमे दवाईयों की एक्सपायरी चेक की गई नशे के रूप में दुरुपयोग होने वाली दवाओं के स्टॉक, रिकॉर्ड्स चेक किये गए। निरीक्षण के दौरान सभी औषधि विक्रेताओं को स्टॉक रजिस्टर मेंटेन रखने हेतु निर्देशित किया गया। जिसमे श्रीजी मेडिकल बीपीएल चौराहा बस से दवाईयो के नमूने जांच हेतु लिए गए, सिटी मेडिकल, वीर फार्मा में शेड्यूल एच1 की औषधियों के क्रय विक्रय रिकॉर्ड्स दो दिवस में प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया तथा पूर्व में सीतामऊ तहसील में किए गए। निरीक्षण में अनियमितता पायी जाने पर दो फ़र्मो को पूजा मेडिकोज़ सीतामऊ, माँ आशापुरा मेडिकल सीतामऊ को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया नोटिस का जवाब प्राप्त होने के बाद आगामी कार्यवाही की जाएगी तथा सीतामऊ तहसील सभी औषधि विक्रेताओं के साथ बैठक लेकर नशे कि रूप में दुरुपयोग होने वाली औषधियों के रिकॉर्ड्स मैंटेनेड रखने तथा बिना डॉक्टर कि परामर्श पर दवा नहीं देने हेतु निर्देशित किया गया।

कनघट्टी में पीएचई की जांच में पानी सही, फिर नलों में बदबूदार जल क्यों ?

गंदे पानी की शिकायत पर विभाग ने लिए पानी के नमूने, पाइपलाइन में खामी की आशंका

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मल्हारगढ़ तहसील के ग्राम कनघट्टी में पिछले दो माह से नलों में गंदा एवं बदबूदार पानी आने की समस्या को लेकर प्रकाशित समाचार के बाद लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) हरकत में आया। विभाग की टीम गांव पहुंची और जल स्त्रोतों के साथ संग्रहण स्थल से पानी के नमूने लेकर जांच की। विभागीय अधिकारियों का दावा है कि जांच में पानी की गुणवत्ता सही पाई गई है, लेकिन इसके बावजूद ग्रामीणों के घरों तक पहुंच रहा बदबूदार पानी कई सवाल खड़े कर रहा है। गौरतलब है कि हाल ही में प्रकाशित समाचार में ग्रामीणों ने आरोप लगाया था कि गांव के करीब 10 हजार लोगों को पिछले दो माह से दूषित एवं बदबूदार पानी की आपूर्ति की जा रही है। ग्रामीणों का कहना था कि कई बार पानी में मिट्टी और गाद तक दिखाई देती है तथा पानी से तेज दुर्गंध आती है। मामले के सामने आने के बाद पीएचई विभाग की टीम ने गांव पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। पीएचई की टीम ने गांव के पास स्थित दो कुओं एवं दो ट्यूबवेलों से एकत्रित किए जा रहे पानी के नमूने लिए। साथ ही उस कुएं की भी जांच की गई, जहां विभिन्न स्त्रोतों का पानी संग्रहित कर पूरे गांव में सप्लाई किया जाता है। निरीक्षण के दौरान संग्रहण स्थल पर क्लोरीन भी डाली गई। पीएचई के लेब इंचार्ज एच.एस. सांखला ने बताया कि पानी के नमूनों की जांच में जल गुणवत्ता सामान्य एवं सुरक्षित पाई गई है। उनका कहना है कि जहां पानी संग्रहित किया जा रहा है, वहां कोई समस्या नहीं मिली है। हालांकि पाइपलाइन में किसी प्रकार की खराबी या लीकेज होने की संभावना सामने आई है, जिससे रास्ते में पानी दूषित हो सकता है। इधर गांव के अजय नागरिया का कहना है कि यदि जल स्त्रोत पर पानी पूरी तरह शुद्ध है तो फिर घरों तक पहुंचते-पहुंचते उसमें बदबू और गंदगी कैसे आ रही है ? ग्रामीणों ने मांग की है कि केवल स्त्रोत से ही नहीं, बल्कि गांव के विभिन्न वार्डों में नलों से निकल रहे पानी के नमूने लेकर भी जांच की जाए ताकि वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके। ग्रामीणों का आरोप है कि नियमित रूप से नल कर वसूले जाने के बावजूद उन्हें स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। उनका कहना है कि समस्या का स्थायी समाधान किए बिना केवल जांच से लोगों की परेशानी दूर नहीं होगी। गांववासियों ने प्रशासन से पाइपलाइन की संपूर्ण तकनीकी जांच कर दोषपूर्ण हिस्सों को बदलने तथा नियमित जल परीक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। पीएचई के अधिकारी का कहना है यदि पाइपलाइन में किसी प्रकार की तकनीकी खामी पाई जाती है तो उसे ग्राम पंचायत के माध्यम से शीघ्र दूर किया जाएगा। वहीं ग्रामीण अब इस इंतजार में हैं कि जांच के बाद उन्हें वास्तव में स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल कब तक उपलब्ध हो सकेगा।

वार्ड 2 पार्षद लाला की हुंकार : पट्टे दिलाने की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 2 में निवासरत अनेक परिवारों को भूमि के पट्टे नहीं मिलने के कारण लंबे समय से विभिन्न प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस गंभीर समस्या के निराकरण की मांग को लेकर वार्डवासियों के साथ पार्षद प्रतिनिधि कमलेश सोनी %लाला% ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर जनसुनवाई में आवेदन प्रस्तुत किया। श्री सोनी ने विधायक श्री विपिन जैन के साथ जनसुनवाई में पहुंचकर अधिकारियों के समक्ष शिकायत दर्ज कराई। कमलेश सोनी लाला ने बताया कि वार्ड में अनेक परिवार वर्षों से निवासरत हैं, किन्तु पट्टे नहीं होने के कारण उन्हें शासकीय योजनाओं एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का लाभ प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों की इस समस्या को देखते हुए जनसुनवाई में अधिकारियों के समक्ष विषय को प्रमुखता से रखा गया तथा शीघ्र कार्रवाई कर पात्र हितग्राहियों को पट्टे प्रदान किए जाने की मांग की गई। जनसुनवाई में उपस्थित क्षेत्रवासियों ने भी अपनी समस्याओं से प्रशासन को अवगत कराया और मांग की कि लंबे समय से लंबित पट्टा प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया जाए। अधिकारियों ने आवेदन प्राप्त कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक परीक्षण एवं नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही दस पट्टे तुरंत जारी कर दिए गए। इस दौरान वार्ड के अनेक नागरिक एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से दिल्ली में मिले राठौड़, पिपलिया स्टेशन पर ट्रेन ठहराव की मांग

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं युवा नेता संदीपसिंह राठौड़ ने नई दिल्ली में केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से भेंट कर क्षेत्र की महत्वपूर्ण रेल एवं यात्री सुविधाओं से जुड़ी मांगों को प्रमुखता से उठाया। इस दौरान उन्होंने रतलाम मंडल के पिपलिया रेलवे स्टेशन पर 9231/09232 उज्जैन, चित्तौड़गढ़-उज्जैन पैसेंजर ट्रेन के नियमित ठहराव की मांग करते हुए एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में राठौड़ ने बताया कि पिपलिया नगर, रामपुरा, मनासा सहित आसपास के दर्जनों ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों नागरिक एवं श्रद्धालु प्रतिदिन विभिन्न कार्यों एवं धार्मिक यात्राओं के लिए उज्जैन आते-जाते हैं। विशेष रूप से भगवान महाकाल के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस रेलमार्ग का उपयोग करते हैं। वर्तमान में उक्त ट्रेन का पिपलिया रेलवे स्टेशन पर ठहराव नहीं होने के कारण यात्रियों को मंदसौर अथवा नीमच जैसे बड़े स्टेशनों तक अतिरिक्त यात्रा करनी पड़ती है, जिससे समय, धन और श्रम की अनावश्यक बर्बादी होती है। उन्होंने कहा कि पिपलिया रेलवे स्टेशन क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण स्टेशन है, जहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्री आवागमन करते हैं। इसके बावजूद कई महत्वपूर्ण ट्रेनों का ठहराव नहीं होने से यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। यदि उज्जैन-चित्तौड़गढ़ पैसेंजर ट्रेन का ठहराव पिपलिया स्टेशन पर स्वीकृत किया जाता है तो न केवल स्थानीय नागरिकों बल्कि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को भी सीधा लाभ मिलेगा। इससे धार्मिक, शैक्षणिक, व्यावसायिक एवं सामाजिक यात्राएं अधिक सुगम हो सकेंगी। राठौड़ ने ज्ञापन में पिपलिया रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं के विस्तार की मांग भी उठाई। उन्होंने स्टेशन पर कोच गाइडेंस सिस्टम स्थापित करने, यात्रियों के लिए बेहतर सूचना व्यवस्था विकसित करने तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं में वृद्धि की आवश्यकता बताई। उनका कहना था कि आधुनिक यात्री सुविधाएं उपलब्ध होने से यात्रियों को ट्रेन के कोचों की सही जानकारी समय पर मिल सकेगी और यात्रा अधिक सुविधाजनक बनेगी। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ज्ञापन प्राप्त कर मांगों पर सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया। राठौड़ ने कहा कि क्षेत्र की जनता लंबे समय से इस मांग को उठा रही है और उन्हें विश्वास है कि केंद्र सरकार एवं रेल मंत्रालय जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेंगे। उन्होंने कहा कि पिपलिया स्टेशन पर ट्रेन ठहराव एवं यात्री सुविधाओं का विस्तार होने से क्षेत्र के हजारों लोगों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा तथा यह क्षेत्र के विकास और बेहतर रेल संपर्क की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

सिंगोली हादसे पर कलेक्टर सख्त: छत गिरने से गईं मां-बेटे की जान, पीड़ित परिवार को मिलेगी 9 लाख की सहायता; लापरवाह अधिकारियों पर भी होगी कार्रवाई

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंगोली में मकान की छत गिरने से मां-बेटे की दर्दनाक मौत के मामले में जिला प्रशासन ने संवेदनशीलता दिखाते हुए पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सहायता राशि स्वीकृत करने का प्रकरण तैयार किया जा रहा है।

द वॉचमैन पोस्ट से चर्चा में कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने बताया कि सिंगोली में छत गिरने की घटना सामने आई है। प्रशासन द्वारा मृतकों के परिजनों को सहायता के रूप में 4-4 लाख रुपये, अर्थात कुल 8 लाख रुपये तथा क्षतिग्रस्त मकान के लिए 1 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत करने का प्रकरण तैयार किया जा रहा है। इस प्रकार पीड़ित परिवार को कुल 9 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने बताया कि हादसे में प्रभावित परिवार को अब तक प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ क्यों नहीं मिल पाया, इसकी भी जांच करवाई जाएगी। यदि किसी स्तर पर लापरवाही या त्रुटि पाई जाती है तो नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि सिंगोली में हुए इस दर्दनाक हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। मां-बेटे की असामयिक मौत से नगर में शोक का माहौल बना हुआ है, वहीं प्रशासन की त्वरित पहल से पीड़ित परिवार को राहत मिलने की उम्मीद जगी है।

जनसुनवाई शिविर में एसपी राजेश व्यास सख्त, 15 सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का मौके पर निराकरण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान और लंबित शिकायतों के निराकरण के उद्देश्य से मंगलवार को पुलिस कंट्रोल रूम नीमच में जिला स्तरीय जनसुनवाई, शिकायत निवारण एवं सीएम हेल्पलाइन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास ने की।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक उज्जैन जोन के निर्देश पर आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में फरियादी अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे। जनसुनवाई के दौरान करीब 54 आवेदकों ने अपनी समस्याएं पुलिस अधीक्षक के समक्ष रखीं। एसपी राजेश व्यास ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित थाना प्रभारियों एवं अधिकारियों को शीघ्र और निष्पक्ष निराकरण के निर्देश दिए।

शिविर के दौरान सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों पर भी विशेष फोकस किया गया। लेवल-1, लेवल-2 एवं लेवल-3 की कुल 15 शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण कर उन्हें बंद कराया गया। इससे आवेदकों को राहत मिली और शिकायतों के समाधान की दिशा में सकारात्मक पहल देखने को मिली।

एसपी राजेश व्यास ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आमजन से प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने भूमि विवाद, पुलिस कार्रवाई से जुड़े मामलों, सामाजिक सुरक्षा एवं अन्य जनहित से संबंधित शिकायतों पर विशेष संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए।

शिविर में एसडीओपी जावद रोहित राठौर, एसडीओपी मनासा निकिता सिंह, जिले के सभी थाना एवं चौकी प्रभारी, शाखा प्रभारी तथा बड़ी संख्या में फरियादी उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

डिजिटल क्रांति के बीच RBI का प्लास्टिक नोट लाने का फैसला

इस समाचार पत्र ने भी यह प्रकाशित किया है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) पॉलिमर बैंक नोट को फिर से शुरू करने जा रहा है। सरसरी तौर पर भले ही यह अनावश्यक लगे लेकिन यह निर्णय ध्यान देने लायक है। खासतौर पर तब जबकि भारत डिजिटल भुगतान में दुनिया में अग्रणी देश के रूप में उभरा है। लेकिन आंकड़े कुछ और ही कहते हैं। नकदी को अप्रासंगिक बनाने के बजाय भारत की डिजिटल भुगतान क्रांति के साथ-साथ मुद्रा के उपयोग में लगातार वृद्धि हुई है।

इसलिए केंद्रीय बैंक के सामने चुनौती यह है कि मुद्रा के प्रवाह को अधिक कुशल, सुरक्षित और टिकाऊ बनाया जाए। रिजर्व बैंक की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट इस वास्तविकता को रेखांकित करती है। वर्ष 2025-26 में प्रचलित मुद्रा 11 फीसदी से अधिक बढ़ी, जो पिछले वर्ष की 5.8 फीसदी वृद्धि से लगभग दोगुनी है, जबकि इसी दौरान डिजिटल भुगतान भी तेजी से विस्तार करता रहा।

दूसरे शब्दों में कहें तो डिजिटल और नकद भुगतान एक-दूसरे का स्थान नहीं ले रहे है बल्कि साथ-साथ मौजूद हैं। इस बढ़ते मुद्रा भंडार का प्रबंधन लगातार महंगा होता जा रहा है। वर्ष 2024-25 में बैंक नोट छापने पर 6,300 करोड़ रुपये से अधिक की राशि खर्च हुई।

इसी समय लगभग 24 अरब घिसे-पिटे नोटों को प्रचलन से वापस लिया गया जो घिसी हुई मुद्रा को बदलने के परिचालन बोझ को उजागर करता है। छोटे मूल्य वर्ग के नोट जो बार-बार हाथ बदलते हैं वे खासतौर पर जल्दी खराब हो जाते हैं। ऐसे में यह उचित ही है कि रिजर्व बैंक 10 और 20 रुपये के नोटों के लिए एक प्रायोगिक परियोजना पर विचार कर रहा है। छोटे मूल्य वर्ग के नोटों का हिस्सा भी बढ़ाया जाना चाहिए।

यह कहना मुश्किल नहीं है कि छोटे मूल्य वर्ग के नोटों की उपलब्धता अक्सर लेनदेन को प्रभावित करती है। पॉलिमर नोट पतले प्लास्टिक से बने होते हैं जो नमी, गंदगी और फटने के मामले में अधिक सुरक्षित होते हैं। हालांकि पॉलिमर मुद्रा छापने की प्रारंभिक लागत अधिक होती है लेकिन अंतरराष्ट्रीय अनुभव बताता है कि ये आर्थिक दृष्टि से बेहतर साबित होते हैं।

चूंकि पॉलिमर नोट्स काफी लंबे समय तक टिकते हैं इसलिए कम संख्या में नोटों को छापना, लाना ले जाना, संसाधित करना और नष्ट करना पड़ता है। सबसे अधिक बचत छोटे मूल्यवर्ग के नोटों में होती है जो सबसे अधिक प्रचलन में रहते हैं।

इस संदर्भ में ऑस्ट्रेलिया का अनुभव उल्लेखनीय है। पॉलिमर मुद्रा के मामले में अगुआ होने के नाते उसने अनुमान लगाया कि इस बदलाव से प्रतिस्थापन और हैंडलिंग लागत में कमी के कारण दीर्घकालिक बचत हुई। ऑस्ट्रेलिया के कागजी नोट पहले छोटे मूल्यवर्ग में केवल 6 से 12 महीने तक चलते थे, जबकि पॉलिमर नोट कई वर्षों तक टिके। कनाडा, ब्रिटेन, न्यूजीलैंड और सिंगापुर जैसे देशों ने भी पॉलिमर नोट अपनाए हैं जिनका कारण टिकाऊपन, उन्नत सुरक्षा और कम जीवनचक्र लागत है।

पारदर्शी विंडो और माइक्रो-ऑप्टिक तत्व जैसी उन्नत सुरक्षा विशेषताएं पॉलिमर नोटों को नकल के लिहाज से भी अधिक सुरक्षित बनाती हैं। पर्यावरणीय तर्क भी उतना ही प्रभावशाली है। विदेश में केंद्रीय बैंकों द्वारा किए गए अध्ययनों में पाया गया है कि पॉलिमर नोट अपने जीवनकाल में कम संसाधनों का उपभोग करते हैं। इसके अलावा चलन से हटाए गए पॉलिमर नोटों को अन्य प्लास्टिक उत्पादों में पुनर्चक्रित भी किया जा सकता है। ये सभी लाभ विचारणीय हैं।

इस प्रकार अग्रिम लागत, एटीएम के अनुकूल बनाए जाने, नकदी-प्रबंधन अधोसंरचना और जनस्वीकृति का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करना होगा। भारत का 2012 में पॉलिमर नोट पेश करने का पहले का प्रयास तकनीकी सीमाओं के कारण असफल रहा था। विशेष रूप से पुराने एटीएम और गिनती मशीनों की अक्षमता के कारण ऐसा हुआ जो प्लास्टिक की सामग्री को सही ढंग से पहचानने, संभालने और वितरित करने में सक्षम नहीं थीं। पॉलिमर नोट उपयोगकर्ताओं को घिसे-पिटे और फटे नोटों से नियमित रूप से निपटने की बड़ी असुविधा से भी राहत देंगे। खासकर छोटे मूल्यवर्ग के नोटों में क्योंकि उन्हें बदलवाना हमेशा आसान नहीं होता।

स्त्री की शक्तियों को नया आयाम देता है सहजयोग

जागृत स्त्री ही सुखी परिवार और श्रेष्ठ समाज का आधार है।

स्त्री सृष्टि की आधारशिला है। वह केवल परिवार की धुरी ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के निर्माण की भी महत्वपूर्ण शक्ति है। आज की व्यस्त जीवनशैली में महिलाओं को अनेक भूमिकाएँ निभानी पड़ती हैं, जिसके कारण मानसिक तनाव, भावनात्मक दबाव और असंतुलन जैसी चुनौतियाँ सामने आती हैं। ऐसे समय में ध्यान स्त्री शक्ति के लिए एक अमूल्य साधन सिद्ध होता है, और सहजयोग इस दिशा में एक सरल एवं प्रभावशाली मार्ग प्रदान करता है।

सहजयोग एक आत्म-साक्षात्कार आधारित ध्यान पद्धति है, जिसकी स्थापना श्री माताजी निर्मला देवी जी ने की। सहज का अर्थ है स्वाभाविक और योग का अर्थ है मिलन। यह वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से मनुष्य अपनी आंतरिक शक्ति, अर्थात् कुंडलिनी, के जागरण द्वारा अपने वास्तविक स्वरूप का अनुभव करता है। सहजयोग का ध्यान मन को शांत करता है, विचारों की अधिकता को कम करता है तथा आत्मविश्वास और आत्मसम्मान को बढ़ाता है। इससे महिलाओं में धैर्य, संतुलन और सकारात्मक दृष्टिकोण का विकास होता है।

सहजयोग के अनुसार प्रत्येक महिला के भीतर मातृत्व, प्रेम, करुणा और संरक्षण की दिव्य शक्तियाँ विद्यमान हैं। ध्यान के माध्यम से ये गुण और अधिक प्रकट होते हैं, जिससे वह न केवल स्वयं को सशक्त बनाती है बल्कि अपने परिवार और समाज में भी सकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। जब एक महिला अपने भीतर की शांति और शक्ति से जुड़ जाती है, तब वह जीवन की चुनौतियों का सामना अधिक सहजता और आत्मबल के साथ कर पाती है।

श्री माताजी ने स्त्री धर्म का सर्वोच्च आदर्श प्रस्तुत करते हुए अपने जीवन में एक आदर्श पुत्री, पत्नी, माता और विश्वमाता की भूमिका का निर्वहन किया। उन्होंने परिवार की सभी जिम्मेदारियों को पूर्ण समर्पण के साथ निभाते हुए मानवता के आध्यात्मिक उत्थान का महान कार्य किया। गृहस्थ जीवन में रहते हुए उन्होंने यह सिद्ध किया कि आध्यात्मिकता और पारिवारिक कर्तव्य एक-दूसरे के पूरक हैं। मातृत्व, करुणा, प्रेम, क्षमा और त्याग जैसे स्त्री-सुलभ गुणों को उन्होंने अपने जीवन में चरितार्थ किया तथा सहजयोग के माध्यम से लाखों लोगों को आत्मसाक्षात्कार प्रदान कर विश्व में शांति, एकता और धर्म की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया। श्री माताजी का जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि एक जागृत और संतुलित नारी पूरे समाज के उत्थान की प्रेरक शक्ति बन सकती है।

सहजयोग महिलाओं को उनकी अंतर्निहित शक्तियों का अनुभव कराकर उन्हें मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाता है। एक सशक्त और संतुलित महिला ही एक सशक्त परिवार, समाज और राष्ट्र की आधारशिला होती है।

पेपर लीक की आड़ में डिजिटल शिक्षा पर अंजना का 'दो कौड़ी' तंज

भारतीय शिक्षा जगत में यह शायद ही पहले कभी देखने को मिला हो कि एक टीवी स्टूडियो में कही गई टिप्पणी इतनी तेज़ी से राष्ट्रीय बहस का विषय बन जाए। लेकिन जब वरिष्ठ एंकर अंजना ओम कश्यप ने नीट पेपर लीक पर चर्चा के दौरान यूट्यूब शिक्षकों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि ÷एक्सप्लेनर बनाते हैं, जानते कुछ नहीं÷ और उन्हें ÷दो कौड़ी के यूट्यूब गुरु÷ तक कह दिया, तो यह सिर्फ एक टीवी बहस नहीं रही। यह बयान देखते ही देखते ÷ब्लैकबोर्ड पर ब्रेकिंग न्यूज़÷ बन गया। वास्तव में, यह डिजिटल शिक्षा की बढ़ती ताकत के सामने मुख्यधारा मीडिया की असहजता को उजागर करता है। अंजना का यह हमला तथ्यों से अधिक पूर्वाग्रह का प्रतीक प्रतीत होता है।

जब लाखों छात्रों का भरोसा किसी मंच से जुड़ जाए, तो उस पर उठी उंगली केवल व्यक्तियों पर नहीं, पूरी व्यवस्था पर सवाल बन जाती है। अंजना ओम कश्यप की इस टिप्पणी को खान सर, अभिनय शर्मा जैसे लोकप्रिय यूट्यूब शिक्षकों पर भी लागू माना गया। उन्होंने कुछ डिजिटल शिक्षकों को 'बड़ा फ्रॉड' तक कह दिया। यह टिप्पणी ऐसे समय आई, जब लाखों छात्र ऑनलाइन शिक्षा के सहारे अपने सपने संवार रहे हैं। इसलिए इसे केवल कुछ शिक्षकों पर नहीं, बल्कि पूरे डिजिटल शिक्षा जगत की साख पर प्रहार माना गया। सवाल है, क्या यह आलोचना तथ्यों पर आधारित है या महज़ सुर्खियाँ बटोरने की कोशिश? क्या कुछ अपवादों के आधार पर पूरे समुदाय को कटघरे में खड़ा करना उचित है?

शोर और आरोपों से परे, किसी भी व्यवस्था का मूल्यांकन उसके परिणामों से होता है। पिछले एक दशक में यूट्यूब आधारित शिक्षा ने लाखों छात्रों तक ज्ञान पहुँचाया, जिनकी पहुँच महंगी कोचिंग तक नहीं थी। खान सर और अभिनय शर्मा जैसे शिक्षकों ने दूर-दराज़ क्षेत्रों के युवाओं को अवसर, मार्गदर्शन और आत्मविश्वास दिया। इनके पक्ष में सबसे बड़ा प्रमाण लाखों सफल छात्र हैं। यदि ये ÷कुछ नहीं जानते÷, तो यह सफलता कैसे संभव हुई? हालाँकि कुछ अपवाद हो सकते हैं, लेकिन उनसे पूरे योगदान को नकारा नहीं जा सकता। अंजना जी, यह आरोप केवल शिक्षकों पर नहीं, उनके समर्पण और मेहनत पर भी सवाल उठाता है।

जब दुनिया थम-सी गई थी और शिक्षा के पारंपरिक रास्ते बंद हो गए थे, तब डिजिटल मंचों ने सीखने की लौ बुझने नहीं दी। कोविड महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षक लाखों विद्यार्थियों के लिए सहारा बने। स्कूलों और कक्षाओं के बंद रहने पर मोबाइल और इंटरनेट के जरिए शिक्षा घर-घर पहुँची। जहाँ कई कोचिंग संस्थानों की फीस लाखों रुपये तक है, वहीं अनेक यूट्यूब शिक्षक मुफ्त या कम लागत पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देते रहे। डिजिटल प्लेटफॉर्म ने शिक्षा को सीमित दायरों से निकालकर आम लोगों तक पहुँचाया है। ऐसे योगदान को अनदेखा कर पूरे समुदाय को फ्रॉड बताना न केवल अनुचित, बल्कि एकतरफा दृष्टिकोण भी है। हालाँकि कुछ चैनलों में क्लिकबेट, भ्रामक थंबनेल और पेड कोर्स की आक्रामक मार्केटिंग जैसी समस्याएँ भी मौजूद हैं।

विवाद के बीच शिक्षकों की प्रतिक्रिया ने अंजना के आरोपों पर नए सवाल खड़े कर दिए। अभिनय सर और खान सर जैसे शिक्षकों ने कहा कि उनका काम छात्रों का भविष्य संवारना है, न कि सनसनी फैलाना। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई उन्हें ज्ञानहीन सिद्ध कर दे, तो वे सीखने को तैयार हैं, लेकिन निराधार आरोप स्वीकार्य नहीं हैं। दूसरी ओर, सोशल मीडिया पर छात्रों ने भी खुलकर उनका समर्थन किया। हजारों प्रतिक्रियाओं में छात्रों ने बताया कि इन शिक्षकों ने शिक्षा को महंगे दायरों से निकालकर आम लोगों तक पहुंचाया है। ऐसे में ÷दो कौड़ी÷ जैसी टिप्पणी केवल शिक्षकों पर नहीं, बल्कि उन लाखों छात्रों और परिवारों के विश्वास पर भी चोट करती है, जो उन्हें अपना मार्गदर्शक मानते हैं।

इस प्रकरण ने मुख्यधारा मीडिया की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े किए हैं। जब यूट्यूब शिक्षक नीट लीक, सीबीएसई विवादों और शिक्षा व्यवस्था की खामियों पर आवाज उठाते हैं, तो उन्हें फ्रॉड कहकर खारिज कर दिया जाता है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि क्या टीवी एंकर हर विषय के अंतिम विशेषज्ञ हैं? यदि डिजिटल मंचों की विश्वसनीयता पर संदेह किया जाता है, तो टीआरपी-केंद्रित बहसों की निष्पक्षता भी जांच के दायरे में आनी चाहिए। अंजना ओम कश्यप का बयान इसी विरोधाभास को उजागर करता है। एक ओर डिजिटल शिक्षक शिक्षा की पहुंच बढ़ा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उनके योगदान पर संदेह जताया जा रहा है।

डिजिटल शिक्षा जगत भी कमियों से पूरी तरह अछूता नहीं है। कुछ यूट्यूब चैनलों पर क्लिकबेट और भ्रामक जानकारी की समस्या मौजूद है, जिसकी आलोचना और जवाबदेही आवश्यक है। कुछ टीचर्स पर पेपर लीक या गलत मार्गदर्शन के आरोप भी लगते रहे हैं। लेकिन कुछ उदाहरणों के आधार पर पूरे समुदाय को ÷फ्रॉड÷ या ÷दो कौड़ी का÷ कहना उचित नहीं। शिक्षा में गुणवत्ता जरूरी है, पर उसके नाम पर पूरे आंदोलन को अपमानित नहीं किया जा सकता। किसी भी व्यवस्था का मूल्यांकन तथ्यों और परिणामों से होना चाहिए, न कि अपमानजनक टिप्पणियों से। अंजना का बयान इसी अतिसामान्यीकरण की मिसाल प्रतीत होता है।

वस्तुतः, इस पूरे विवाद का केंद्र कोई एंकर या शिक्षक नहीं, बल्कि शिक्षा का बदलता परिदृश्य है। आज करोड़ों छात्र सीमित संसाधनों के बीच डिजिटल मंचों के सहारे अपने भविष्य का निर्माण कर रहे हैं। ऐसे में मुख्यधारा मीडिया और डिजिटल शिक्षा जगत, दोनों से संतुलन, जवाबदेही और संवाद की अपेक्षा है। किसी शिक्षक का मूल्यांकन आरोपों या उपहास से नहीं, बल्कि उसके विद्यार्थियों की उपलब्धियों से होना चाहिए। ÷दो कौड़ी के गुरु÷ जैसी टिप्पणी केवल शिक्षकों पर नहीं, बल्कि उन करोड़ों छात्रों के विश्वास और आकांक्षाओं पर भी आघात है; ऐसे में संबंधित टिप्पणी पर पुनर्विचार और खेद की अपेक्षा स्वाभाविक है। शिक्षा राष्ट्र की नींव है; इसलिए इस पर विमर्श पूर्वाग्रह नहीं, तथ्यों और सम्मान के आधार पर होना चाहिए।

-प्रो. आरके जैन

अमेरिका-चीन की नजदीकी भारत के लिए बड़ा इम्तिहान

अमेरिकी विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मार्को रूबियो की 23 से 26 मई तक की भारत यात्रा में ताजमहल की यात्रा के अलावा दो खास बातें थीं। पहली बात द्विपक्षीय थी यानी भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ बातचीत जबकि दूसरा अवसर था क्वाड समूह के विदेश मंत्रियों की बैठक में शिरकत करना। यह राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में तीसरी ऐसी बैठक थी। ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोन्ग और जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी ने भी क्वाड बैठक से इतर रूबियो के साथ द्विपक्षीय बातचीत की। ये द्विपक्षीय बैठकें भी बहुपक्षीय बैठकों की तरह ही महत्त्वपूर्ण रहीं। इन बैठकों का क्वाड की बैठक से अलग भी विश्लेषण किया जाना चाहिए।

रूबियो की यात्रा का उद्देश्य साफ तौर पर भारत के साथ रिश्तों में सुधार करना था। बीते एक साल में दोनों देशों के रिश्तों में काफी गिरावट आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भारत पर रूसी तेल खरीदने के लिए दंडात्मक शुल्क लगाए जबकि उन्होंने चीन, तुर्किये और हंगरी जैसे ऐसा ही करने वाले अन्य देशों को रियायत दी। इसके अलावा वह अक्सर भारत के बारे में अशोभनीय भाषा बोलते हैं। उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था को मृत अर्थव्यवस्था तक कहा।

उनकी प्रशासनिक टीम के कई अधिकारियों ने भारत के लिए और भी अधिक अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया है और यह 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' (मागा) समर्थक समूह के भीतर भी गूंजता रहा है। भारत को ट्रंप के आव्रजन विरोधी अभियान का भी खामियाजा भुगतना पड़ा है, जिसमें एच1-बी वीजा पर प्रतिबंध शामिल हैं जो वर्षों से पेशेवर भारतीयों के लिए करियर में आगे बढ़ने का माध्यम रहे हैं।

पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व के साथ अमेरिका की बढ़ती नजदीकी और ईरान के साथ चल रहे युद्ध में मध्यस्थ के रूप में पाकिस्तान को दी गई प्रमुखता ने भारत-पाकिस्तान को एक तराजू पर रखने की आशंका को फिर से जीवित कर दिया है और इस चिंता को जन्म दिया है कि पाकिस्तान एक बार फिर अमेरिका और चीन दोनों से समर्थन प्राप्त कर सकता है भले ही इन दोनों संरक्षकों के बीच तीव्र टकराव के दिन क्यों न हों। और भी महत्वपूर्ण यह संभावना रही है कि अमेरिका और चीन के बीच कुछ हद तक रणनीतिक समायोजन हो सकता है, जिसे ट्रंप की हालिया चीन यात्रा ने और मजबूत किया है। दोनों पक्षों ने रचनात्मक रूप से रणनीतिक टिकाऊपन को आगे बढ़ाने और आर्थिक सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस सहित कई विवादास्पद मुद्दों पर संवाद में शामिल होने पर सहमति व्यक्त की। व्यापार-संबंधी मुद्दों को संभालने के लिए एक व्यापार बोर्ड और निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक निवेश बोर्ड की स्थापना, स्पष्ट रूप से परिभाषित मानकों के भीतर, यह दर्शाती है कि चीन से दूरी बनाने के बजाय उससे जुड़े जोखिम कम करना अब अमेरिका की पसंदीदा रणनीति है।

-सुनील कुमार महला

स्वस्थ जीवन एवं स्वस्थ पर्यावरण का आधार है साइकिल

हर वर्ष 3 जून को मनाया जाने वाला विश्व साइकिल दिवस केवल एक साधारण वाहन के सम्मान का अवसर नहीं है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समानता और सतत विकास के प्रति वैश्विक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, बढ़ती बीमारियों और यातायात संकट जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, तब साइकिल एक ऐसे सरल समाधान के रूप में उभरती है जो व्यक्ति, समाज और राष्ट्र-तीनों के लिए समान रूप से लाभकारी है। विश्व साइकिल दिवस 2026 की थीम 'हरियाली भरे भविष्य के लिए साइकिल चलाना' अत्यंत सार्थक और समयानुकूल है। यह थीम हमें याद दिलाती है कि यदि हमें आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, स्वस्थ और सुरक्षित पृथ्वी छोड़नी है, तो हमें अपने परिवहन के तौर-तरीकों में बदलाव लाना होगा और साइकिल को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा।

साइकिल मानव सभ्यता के उन आविष्कारों में से एक है जिसने दो शताब्दियों से अधिक समय तक अपनी उपयोगिता बनाए रखी है। तकनीकी क्रांति के इस युग में भी इसकी प्रासंगिकता कम नहीं हुई है, बल्कि नई चुनौतियों के बीच इसका महत्व और बढ़ गया है। यह एक ऐसा वाहन है जो बिना पेट्रोल, डीजल या बिजली के चलता है, न कोई धुआँ छोड़ता है और न ही पर्यावरण को नुकसान पहुँचाता है। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र ने 2018 में इसे वैश्विक स्तर पर मान्यता देते हुए विश्व साइकिल दिवस घोषित किया। आधुनिक जीवनशैली ने मनुष्य को सुविधाएँ तो बहुत दी हैं, लेकिन इसके साथ अनेक स्वास्थ्य समस्याएँ भी पैदा कर दी हैं। घंटों कुर्सी पर बैठकर काम करना, शारीरिक श्रम का अभाव, वाहन-निर्भरता और तनावपूर्ण जीवन ने मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग तथा मानसिक अवसाद जैसी समस्याओं को बढ़ा दिया है। ऐसे समय में साइकिल केवल एक परिवहन साधन नहीं, बल्कि एक प्रभावी स्वास्थ्य-सहचर बनकर सामने आती है।

चिकित्सकों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार नियमित साइकिल चलाना एक उत्कृष्ट कार्डियोवैस्कुलर व्यायाम है। इससे हृदय मजबूत होता है, रक्त संचार बेहतर होता है, फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है और शरीर की अतिरिक्त कैलोरी खर्च होती है। साइकिल चलाने से मांसपेशियाँ सुदृढ़ होती हैं तथा जोड़ों पर अत्यधिक दबाव भी नहीं पड़ता, इसलिए यह सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए उपयुक्त व्यायाम माना जाता है। विशेष रूप से मधुमेह, मोटापा और हृदय रोगों से बचाव में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। केवल शारीरिक ही नहीं, मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी साइकिल अत्यंत लाभकारी है। आज तनाव, चिंता और अवसाद वैश्विक समस्याएँ बन चुके हैं। खुली हवा में साइकिल चलाने से मन प्रसन्न होता है, तनाव हार्मोन कम होते हैं और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यह व्यक्ति को प्रकृति के निकट लाती है तथा जीवन में संतुलन और आनंद की अनुभूति कराती है। वास्तव में साइकिल चलाना शरीर और मन दोनों का एक साथ व्यायाम है।

पर्यावरणीय दृष्टि से साइकिल का महत्व और भी अधिक है। विश्व के बड़े शहर बढ़ते प्रदूषण और ट्रैफिक जाम से त्रस्त हैं। मोटर वाहनों से निकलने वाला धुआँ वायु प्रदूषण का प्रमुख कारण है, जो न केवल पर्यावरण बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए भी घातक है। साइकिल शून्य-उत्सर्जन वाला वाहन है। यदि छोटी दूरी की यात्राओं के लिए लोग मोटरसाइकिल और कार के स्थान पर साइकिल का उपयोग करें, तो कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। यह जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध व्यक्तिगत स्तर पर किया जाने वाला सबसे सरल और प्रभावी प्रयास है। सामाजिक दृष्टि से भी साइकिल समानता और समावेशिता का प्रतीक है। यह अमीर और गरीब, दोनों के लिए समान रूप से उपयोगी है। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी लाखों लोग शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँचने के लिए साइकिल पर निर्भर हैं। कम आय वाले परिवारों के लिए यह सबसे सुलभ और किफायती परिवहन साधन है। साइकिल सामाजिक गतिशीलता को बढ़ाती है और अवसरों तक पहुँच आसान बनाती है।

भारत जैसे विकासशील देश के लिए साइकिल का महत्व विशेष रूप से अधिक है। एक ओर देश ऊर्जा आयात पर भारी खर्च करता है, दूसरी ओर महानगरों में यातायात और प्रदूषण गंभीर समस्या बन चुके हैं। यदि साइकिल संस्कृति को व्यापक रूप से प्रोत्साहित किया जाए तो ईंधन की बचत होगी, विदेशी मुद्रा का संरक्षण होगा और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर होने वाला खर्च भी कम होगा। स्वस्थ नागरिक किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूँजी होते हैं। विडंबना यह है कि भारत में कभी साइकिल आम जनजीवन का अभिन्न हिस्सा थी, लेकिन उपभोक्तावादी संस्कृति और मोटर वाहनों की बढ़ती प्रतिष्ठा ने इसे पीछे धकेल दिया। आज अनेक लोग साइकिल को केवल गरीबों का वाहन मानते हैं, जबकि विकसित देशों में साइकिल प्रतिष्ठा, स्वास्थ्य चेतना और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का प्रतीक बन चुकी है। नीदरलैंड, डेनमार्क और जर्मनी जैसे देशों ने साइकिल को शहरी जीवन का केंद्र बनाया है। वहाँ अलग साइकिल लेन, सुरक्षित मार्ग और अनुकूल नीतियाँ उपलब्ध हैं। भारत को भी इस दिशा में गंभीर पहल करनी होगी।

समय की माँग है कि साइकिल को केवल खेल या मनोरंजन का साधन न मानकर सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग बनाया जाए। शहरों में सुरक्षित साइकिल ट्रैक, सार्वजनिक साइकिल शेयरिंग सिस्टम, कार्यालयों और शिक्षण संस्थानों में साइकिल उपयोग को प्रोत्साहन तथा सरकारी स्तर पर प्रोत्साहन योजनाएँ विकसित की जानी चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में साइकिल चलाने की संस्कृति को बढ़ावा दिया जाए तथा लोगों को इसके स्वास्थ्य एवं पर्यावरणीय लाभों के प्रति जागरूक किया जाए। विश्व साइकिल दिवस मनाने का उद्देश्य भी यही है कि समाज साइकिल के बहुआयामी महत्व को समझे और इसे दैनिक जीवन में अपनाए। यह दिवस हमें बताता है कि बड़े परिवर्तन हमेशा जटिल तकनीकों से नहीं आतेय कभी-कभी एक साधारण दो पहियों वाला वाहन भी मानवता को बेहतर भविष्य की दिशा दिखा सकता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम साइकिल को अतीत की वस्तु नहीं, बल्कि भविष्य की आवश्यकता के रूप में देखें। जब दुनिया सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रयासरत है, तब साइकिल एक ऐसा माध्यम है जो स्वास्थ्य, पर्यावरण, अर्थव्यवस्था और सामाजिक न्याय-सभी क्षेत्रों में सकारात्मक योगदान दे सकती है। विश्व साइकिल दिवस हमें यह संदेश देता है कि यदि हम स्वस्थ शरीर, स्वच्छ वातावरण और संतुलित जीवन चाहते हैं, तो साइकिल को पुनः अपने जीवन का हिस्सा बनाना होगा। यह केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि एक जीवन-दर्शन है-सादगी, संतुलन, स्वास्थ्य और प्रकृति के साथ सामंजस्य का जीवन-दर्शन। आने वाला भारत तभी अधिक स्वस्थ, हरित और प्रगतिशील बन सकेगा जब साइकिल फिर से उसकी सड़कों, गलियों और जनजीवन की धड़कन बनेगी। यही विश्व साइकिल दिवस की सार्थकता है और यही हरियाली भरे भविष्य की दिशा में हमारा सामूहिक संकल्प होना चाहिए।

-ललित गर्ग

ब्याज दर बढ़ाना नहीं है समाधान

नीतिगत दरें तय करने वाली भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की संस्था मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की इस सप्ताह (3 से 5 जून) बैठक होने वाली है। चालू वित्त वर्ष में एमपीसी की यह दूसरी बैठक होगी। बड़ा सवाल यह है कि इस बैठक से क्या निकल कर आने वाला है?

अप्रैल में 5 से 8 तारीख तक एमपीसी की पहली बैठक के बाद पिछले दो महीनों में दुनिया के कई केंद्रीय बैंकों ने प्रमुख नीतिगत दरों में बढ़ोतरी की है। उस समय पश्चिम एशिया संकट को पांच सप्ताह ही हुए थे। दूसरी बैठक भी इसी संकट की छाया में हो रही है।

क्या आरबीआई दुनिया के दूसरे केंद्रीय बैंकों की तर्ज पर नीतिगत दर बढ़ाएगा या अमेरिकी फेडरल रिजर्व, यूरोपीय केंद्रीय बैंक, बैंक ऑफ इंगलैंड और बैंक ऑफ कनाडा की तरह दरें अपरिवर्तित रखेगा? ये चारो केंद्रीय बैंक दर बढ़ोतरी को लेकर गहन मंथन कर रहे हैं। इन्होंने आखिरी बार जुलाई और सितंबर 2023 के बीच अपनी नीतिगत दरें बढ़ाई थीं।

एमपीसी की पिछली बैठक में रीपो दर 5.25 फीसदी पर अपरिवर्तित रखी गई थी। स्थायी जमा सुविधा (एसडीएफ) दर 5 फीसदी और सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) दर 5.5फीसदी पर अपरिवर्तित रही। अप्रैल में एमपीसी की बैठक के दौरान 364 दिन के ट्रेजरी बिल पर यील्ड 5.63 फीसदी, तीन महीने की अवधि के बिल पर 5.3 फीसदी और 182 दिनों की अवधि के बिल पर यील्ड 5.53 फीसदी थी। एक वर्षीय सर्टिफिकेट ऑफ डिपॉजिट (सीडी) की दर 7.1 से 7.4 फीसदी और एक वर्षीय कम?र्शियल पेपर (सीपी) पर ब्याज दर 7.4 से 7.6 फीसदी के बीच थी।

मगर तब से 364 दिनों के ट्रेजरी बिल पर यील्ड बढ़कर 6.02 फीसदी, तीन महीने के बिल पर 5.56 फीसदी और 182 दिनों की अवधि के बिल पर 5.735 फीसदी हो गई है। एक वर्षीय सीडी पर दर अब 7.75 से 8.25 फीसदी और एक वर्ष के सीपी पर दर 7.6 से 8फीसदी के बीच है।

तो क्या मौजूदा हालात में आरबीआई को रीपो दर बढ़ानी चाहिए? आइए, पहले कुछ अन्य महत्त्वपूर्ण संकेतकों पर नजर डालें। 10 वर्ष की अवधि पर बॉन्ड यील्ड 6.90 फीसदी और 7.14 फीसदी के बीच रही है। इस दौरान अमेरिका के 10 वर्ष की अवधि के बॉन्ड और भारत के 10 वर्ष के बॉन्ड पर यील्ड के बीच अंतर 2.61 फीसदी अंक से घटकर 2.52 फीसदी अंक हो गया है। यह कमी इस क्षेत्र में विदेशी मुद्रा प्रवाह के लिए एक समस्या बन गई है।

इस दौरान रुपया 8 अप्रैल को पिछली नीति के दिन डॉलर की तुलना में 92.58 के स्तर पर था। शुक्रवार को यह 94.96 के ऊंचे स्तर पर पहुंचने के बाद 95 डॉलर पर बंद हुआ। (कुछ सप्ताह पहले एक दिन यह 96.91 के निचले स्तर पर पहुंच गया था और अंत में 96.82 डॉलर प्रति डॉलर पर बंद हुआ।) 10 अप्रैल को भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 700 अरब डॉलर से थोड़ा अधिक था। 22 मई को यह लगभग 681 अरब डॉलर रह गया।

विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट आरबीआई द्वारा डॉलर की बिक्री और डॉलर एवं अन्य विदेशी मुद्राओं के बीच विनिमय दर में उतार-चढ़ाव के कारण आई है। विदेशी मुद्रा बाजार में अस्थिरता कम करने के लिए आरबीआई द्वारा खरीदे गए प्रत्येक डॉलर से रुपये की तरलता कम हो जाती है। तरलता संतुलित करने के लिए आरबीआई खरीद-बिक्री स्वैप करता है। इससे विदेशी मुद्रा भंडार का स्तर भी ऊंचा बना रहता है।

नीतिगत दर संरचना में यह विसंगति सरकारी बॉन्ड नीलामी में कट-ऑफ यील्ड में खास तौर पर दिखती है। केंद्र सरकार चार वर्ष के लिए 6.7फीसदी, सात साल के लिए 7.06 फीसदी और 30 साल के लिए 7.67 फीसदी की दर पर बाजार से उधार ले रही है। राज्य सरकारें तो इससे भी अधिक ब्याज दर चुका रही हैं। आरबीआई के लिए चुनौती इस समय रीपो दर स्थिर रखनी है।

इस वर्ष फरवरी में ब्याज दर थामने और अप्रैल में यथास्थिति बनाए रखने से पहले फरवरी से दिसंबर 2025 के बीच125 आधार अंक की कटौती की गई थी। वर्ष 2019 के बाद यह सबसे आक्रामक कटौती थी।

अप्रैल में एमपीसी ने सर्वसम्मति से नीतिगत दर 5.25 फीसदी पर अपरिवर्तित रखा और रुख 'तटस्थ' बनाए रखने का भी निर्णय लिया। पश्चिम एशिया में तनाव का असर लंबे समय तक हावी नहीं रहने की उम्मीदों के दम पर अप्रैल में वित्त वर्ष 2027 के लिए वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.9 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया था।

हालांकि, युद्ध जारी रहने की स्थिति में इसमें कमी की आशंका जताई गई थी। इसमें उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति दर वित्त वर्ष 2027 के लिए 4.6 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया था। यह तय है कि आरबीआई जीडीपी अनुमान में कमी करेगा और मुद्रास्फीति अनुमान बढ़ा देगा।

क्या आरबीआई आपूर्ति में अचानक आए व्यवधान और इस दशक के सबसे कमजोर मॉनसून की आशंका के कारण मुद्रास्फीति से निपटने के लिए ब्याज दरों में वृद्धि करेगा? मेरा अनुमान है कि आरबीआई ऐसा करने से परहेज करेगा। वह सभी आंकड़ों पर नजर रखना जारी रखेगा और ब्याज दर में बदलाव करने से पहले इंतजार करेगा। चूंकि, वर्तमान रुख तटस्थ है इसलिए उसके पास कुछ न कुछ गुंजाइश तो जरूर है।

इस समय चार प्रमुख चिंताएं हैं जिनमें रुपया कमजोर होना, विदेशी पूंजी की निकासी, आपूर्ति व्यवस्था में बाधा आने से ऊंची मुद्रास्फीति और कमजोर आर्थिक वृद्धि दर शामिल हैं। रुपया संभालने और विदेशी पूंजी आकर्षित करने के लिए ब्याज दर बढ़ाने के बजाय आरबीआई को शायद अन्य विकल्पों पर विचार करने की जरूरत है।

विदेशी मुद्रा बाजार में केंद्रीय बैंक का हस्तक्षेप कारगर नहीं रहने वाला है। आक्रामक खुले बाजार संचालन के माध्यम से ब्याज दर कम करने और खरीद-बिक्री स्वैप के माध्यम से नकदी उपलब्ध कराने से घरेलू निवेशकों के लिए ऋष्टा दरें अधिक आकर्षक नहीं रह जाती हैं जिससे वे शेयर बाजार की तरफ रुख करने लगते हैं।

विदेशी निवेशक अन्य कारणों से बाजार से दूर भाग रहे हैं। डॉलर बेचने और ब्याज दरें बढ़ाने के अलावा अन्य विकल्पों पर विचार करने का समय आ गया है। इनमें से एक विकल्प प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) की जमा राशि बढ़ाना हो सकता है। आरबीआई ने वर्ष 2013 में इसी तरीके से 26 अरब डॉलर जुटाए थे जिसमें एक रियायती स्वैप विंडो विकल्प की पेशकश की गई थी। इस विकल्प के माध्यम से बैंक जुटाई गई विदेशी मुद्रा जमा कर सकते थे और बदले में रुपये के समतुल्य राशि हासिल कर सकते थे, साथ ही विनिमय दर से जुड़े जोखिमों से कम एवं निश्चित दर पर पूरी तरह बच सकते थे।

आरबीआई कंपनियों के लिए भी बैंकों के माध्यम से विदेशी पूंजी जुटाने हेतु इसी तरह का फॉर्मूला तैयार कर सकता है। बेशक, पूंजी की एक लागत होती है मगर फिलहाल इसे आजमाना उचित है क्योंकि मौजूदा हालात देश में विदेशी रकम की आमद के लिए माकूल नहीं लग रहे हैं। साल की दूसरी छमाही में मुद्रास्फीति बढ़ेगी और आर्थिक गति भी धीमी होगी। ऐसे में फिलहाल ब्याज दरों में बढ़ोतरी टाली जा सकती है।

-धनंजय राजौरा

जनसुनवाई में आमजन को मिला प्रशासन का भरोसा, कलेक्टर ने सुनीं समस्याएं

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मुख्यालय पर मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने आमजन की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्रकरणों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर संजीव जैन, संयुक्त कलेक्टर अंशु जावला सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई के दौरान ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी विभिन्न समस्याओं से प्रशासन को अवगत कराया। कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदन पर संवेदनशीलता के साथ सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को जांच कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

वृद्धा पेंशन शुरू कराने की मांग- ग्राम टिगरिया सांचा निवासी रेशमबाई ने वृद्धा पेंशन शुरू कराने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने संबंधित विभाग को मामले की जांच कर पात्रतानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

गौचर भूमि से अतिक्रमण हटाने की मांग- ग्राम अकालिया निवासी कमल किशोर विश्वकर्मा ने गौचर भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए आवेदन दिया। इस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

मकान मुआवजा दिलाने का आवेदन- कालापाठा निवासी ब्रदी पिता गजु ने मकान का मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने प्रकरण की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

खेत के पानी की निकासी का मामला- आंवलियापिपल्या निवासी संदीप यादव ने खेत के पानी की निकासी बाधित होने की समस्या बताते हुए पाली हटवाने की मांग की। कलेक्टर ने संबंधित विभाग को मौके की जांच कर उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

अन्य मामलों पर भी सुनवाई- जनसुनवाई में प्रधानमंत्री आवास योजना, जमीन सीमांकन, बिजली बिल संशोधन, बीपीएल सूची में नाम जोड़ने, नामांतरण, बंटवारा, रास्तों से अतिक्रमण हटाने, नालियों की सफाई सहित विभिन्न विषयों से जुड़े आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी प्रकरणों पर संबंधित विभागों को प्राथमिकता के आधार पर जांच कर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

फिर ठप्प हुई नगर की जलापूर्ति व्यवस्था, केबल में हुआ फाल्ट

8 से 10 घंटे देरी से शुरू हुआ जलप्रदाय, परेशान हुए नगरवासी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के बेरछा रोड स्थित सांपखेड़ा गांव में इंटेकवेल पंप की विद्युत केबल में सोमवार रात अचानक फाल्ट आ गया। तकनीकी खराबी के कारण मंगलवार को शहर की जलप्रदाय व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई। विद्युत आपूर्ति बाधित होने से इंटेकवेल से पानी की सप्लाई नहीं हो सकी, जिससे पूरे नगर में पेयजल संकट खड़ा हो गया। नगर में करीब 8 से 10 घंटे की देरी से जलप्रदाय किया जा सका।

नगर में वर्तमान में एक दिन छोड़कर जल वितरण किया जा रहा है। ऐसे में निर्धारित दिन पर पानी की आपूर्ति न होने से कई क्षेत्रों के नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। अनेक मोहल्लों में लोगों को पेयजल के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करनी पड़ी। नागरिकों का कहना है कि पहले से ही सीमित अंतराल में जलापूर्ति होने के कारण सप्लाई बाधित होने पर स्थिति और गंभीर हो जाती है। लोगों ने बताया कि नियमित जलापूर्ति न होने से आमजन को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से जल्द से जल्द समस्या का समाधान कर पानी की सप्लाई बहाल करने की मांग की।

इंदौर से आई विशेषज्ञों की टीम

नगर पालिका के जलकर सभापति प्रेम यादव ने बताया कि इंटेकवेल की विद्युत केबल में फॉल्ट आने के कारण जलप्रदाय प्रभावित हुआ है। फॉल्ट को सुधारने के लिए इंदौर से विशेषज्ञ टीम और आवश्यक सामग्री मंगवाई गई है। कर्मचारी लगातार सुधार कार्य किया गया जिसके बाद जल वितरण किया जा सका।

समयावधि पत्रों का समय सीमा मे हो निराकरण— आयुक्त

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समयावधि पत्रों एवं सीएम हेल्प लाईन की शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए विभाग के संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश आयुक्त दलीप कुमार ने दिए। विद्युत खपत एवं विद्युत देयकों के विषय एवं पॉवर फेक्टर की जानकारी संबंधित अधिकारी से ली। पीएम स्वनिधि में हितग्राहियों को दिये जाने वाले ऋणों में प्रगति मे कम पाये जाने पर आगामी 15 दिवस में सुधार एवं लक्ष्य पूर्ति के लिए कहा। वहीं अनुग्रह सहायता राशि एवं ई–केवाईसी को लेकर भी दिशा निर्देश जारी किए। स्वच्छता निरीक्षकों को उनके झोन क्षेत्र में मैरीज गार्डनों का निरीक्षण कर रिपोर्ट दिए जाने हेतु कहा। आयुक्त ने अमृत हरित अभियान की जानकारी लेते हुए निर्धारित स्थानों पर पौधे लगाये का प्लान 7 दिवस में तैयार किए जाने हेतु कहा। वर्षाकाल में जल जमाव की स्थिती से निपटने एवं पानी की निकासी की व्यवस्था पर कार्य करने के निर्देश दिए। लक्ष्य पूर्ति एवं अधिक से अधिक रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाये जाने के साथ ही गार्डनों मे भी शॉक पीट लगाकर रिपोर्ट देने हेतु कहा। वर्षा पूर्व सिवरेज के चेम्बरो की सफाई कार्य मे गति लाने के निर्देश दिए। सभी वार्ड उपयंत्री अपने अपने वार्डो मे जीर्णशीर्ण भवन जो वर्षाकाल मे गिरने की स्थिती मे हैं उन्हें चिन्हीत कर भवनों के स्वामियों से समन्वय कर तोडने की कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु कहा। कम्पाउंडिंग कार्य मे प्रगति नही होने पर आयुक्त ने अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए कार्य मे तेजी लाने के साथ लक्ष्य पूर्ति करने हेतु कहा। आयुक्त ने समयावधि पत्र एवं सीएम हेल्प लाईन की शिकायतों के समय पर निराकरण के निर्देश दिए।

ई- विकास पोर्टल के माध्यम से किसानों को मिलेगा पर्याप्त उर्वरक

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ई-विकास पोर्टल के माध्यम से किसानों को उनके रकबे के अनुसार फसल जैसे मक्का धान, सोयाबीन आदि चयन करने पर एक ही बार में संपूर्ण उर्वरक मिल सकेगा। ई-टोकन प्रणाली में कृषक अपने मोबाइल से आसानी से टोकन जारी कर उर्वरक बुक कर सकते है अथवा एमपी ऑनलाइन केन्द्रों पर 15 रूपये का शुल्क देकर भी टोकन जारी करा सकते हैं। सिकमी (ठेकेदार/बटाईदार) किसान जो भूमि स्वामी नहीं है वे अपने भू-स्वामी की अनुमति से एग्री स्टेक पोर्टल के माध्यम से अधिकृत प्रतिनिधि किसान बनकर ई-टोकन बुक कर सकते है।

वन पट्टाधारी किसान एसडीएम के सत्यापन के उपरांत ई-विकास पोर्टल के माध्यम से उर्वरक बुक कर सकते हैं। मृत शारीरिक रूप से अक्षय एवं वृद्ध किसानों हेतु भी ई-विकास प्रणाली पर उर्वरक व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है। संयुक्त खाताधारी कृषकों जिनमें से एक या अन्य सदस्य किसी अन्य शहर में या देश के बाहर रहते है जिस कारण उनका आधार ओ.डी.सी प्राप्त करना संभव नहीं हो पाता ऐसे किसानों अथवा संयुक्त खाता धारकों में से किसी एक किसान को नामांकित करने के लिए ई-विकास पोर्टल पर सुविधा उपलब्ध है।

ऐसे करें ई टोकन जारी- पंजीयन के लिए किसानों को अपना आधार नम्बर एग्रीस्टेक पोर्टल पर पंजीकृत करना होगा। फार्मर आईडी पर रकबा, खसरा एवं फसल की जानकारी अद्यतन होना आवश्यक है। आधार से लिंक मोबाइल नम्बर पर ओटीपी के माध्यम से पंजीयन की प्रक्रिया करनी होती है इसलिए मोबाइल नम्बर का आधार से लिंक होना आवश्यक है। ई-टोकन जारी करने के लिए ई-विकास पोर्टल के डेशबोर्ड पर ऑप्शन पर क्लिक करने के उपरांत आधार नम्बर प्रविष्ट करना होगा। किसान के आधार से लिंक मोबाइल नम्बर पर ओ.टी.पी. डालने पर उस किसान की भूमि और पट्टे की जानकारी आयेगी। कृषक को भूमि के लिए फसल तय करना होगा जिससे वांछित खाद की मात्रा स्वतः पोर्टल पर प्रदर्शित होगी। यूरिया के साथ डीएपी अथवा एसएसपी या एनपीके का विकल्प चुनना होगा। चयनित फसल एवं उपलब्ध रकबे के अनुसार आवश्यक उर्वरक का प्रकार चुनने के उपरांत वितरण केन्द्र डबल लॉक केन्द्र एमपी एग्रो सहकारी समिति अथवा निजी विक्रेताओं पर उपलब्ध स्टॉक प्रदर्शित होगा जिसके चयन के उपरांत ई-टोकन जारी हो जायेगी।

उर्वरक का उठाव- जारी टोकन के साथ किसान को 02 दिन के भीतर चयनित वितरण केन्द्र से खाद प्राप्त करना होगा। यदि किसान समय सीमा में खाद नही लेता है तो टोकन स्वतः निरस्त हो जायेगा। खाद के लिए लाइन में लगने की आवश्यकता नही होगी।

आवश्यक ध्यान रखने योग्य बात यह है कि जिन किसानों के फार्मर आई.डी. नही बने है उन्हें जल्द से जल्द अपनी फार्मर आई.डी बनवा लेनी चाहिए।

विशेष परिस्थिति में फार्मर आईडी न होने पर एसडीएम के अप्रूवल से टोकन बुक करने की सुविधा उपलब्ध करायी गई है। यदि किसान को अतिरिक्त उर्वरक की आवश्यकता है तो वह पोर्टल पर औचित्य दर्ज कर अतिरिक्त उर्वरक प्राप्त कर सकता हैं।

संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने किया कार्य का बहिष्कार

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत कार्यरत संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने अपनी आठ सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन तेज कर दिया है। कर्मचारी जिले के जिला अस्पताल सहित विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में चरणबद्ध आंदोलन के तहत कार्य बहिष्कार कर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

कर्मचारियों का कहना है कि मुख्यमंत्री द्वारा पूर्व में की गई घोषणाओं के बावजूद उनकी मांगों पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इसी कारण उन्होंने यह कदम उठाया है। संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के बैनर तले चल रहे इस आंदोलन में कर्मचारियों ने नियमित कर्मचारियों के समान वेतन एवं भत्ते, वार्षिक वेतनवृद्धि, सेवा सुरक्षा, अवकाश सुविधाएं तथा वेतन विसंगतियों के निराकरण की मांग उठाई है। उनका कहना है कि लंबे समय से स्वास्थ्य सेवाओं में योगदान देने के बावजूद उन्हें अपेक्षित सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। संघ के अनुसार आंदोलन की शुरुआत काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन से की गई थी। इसके बाद अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन भी सौंपे गए। मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं होने के कारण अब कार्य बहिष्कार किया जा रहा है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों का जल्द समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा, जिससे जिले की स्वास्थ्य सेवाओं पर भी असर पड़ सकता है।

केले से भरे ट्रक ने लोडिंग ऑटो को मारी टक्कर, यातायात हुआ प्रभावित, नेशनल हाईवे-52 पर हुआ हादसा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कोतवाली थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-52 पर एचपी बाबू पेट्रोल पंप के पास मंगलवार सुबह करीब 10 बजे एक सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार ट्रक ने आगे चल रहे तीन पहिया लोडिंग ऑटो रिक्शा को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। ट्रक में कच्चे केले भरे हुए थे, जो सड़क पर बिखर गए। लोडिंग ऑटो रिक्शा में भरी ईंटें भी सड़क पर फैल गई। इस घटना से मार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित हुआ। हादसे की सूचना मिलते ही डायल-112 पर तैनात प्रधान आरक्षक पवन शर्मा मौके पर पहुंचे। उन्होंने राहत कार्य शुरू कराया और यातायात व्यवस्था को नियंत्रित किया, जिससे मार्ग पर आवागमन सुचारु हो सका। जानकारी के अनुसार, कच्चे केले से भरा ट्रक इंदौर से ग्वालियर की ओर जा रहा था, जबकि लोडिंग आटो रिक्शा शाजापुर से पनवाड़ी की तरफ जा रहा था। इसी दौरान ट्रक चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और ऑटो रिक्शा को पीछे से टक्कर मार दी। गनीमत रही कि इतना बड़ा हादसा होने के बावजूद किसी भी व्यक्ति को गंभीर चोट नहीं आई। दुर्घटना में केवल वाहनों और सामान का नुकसान हुआ है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

'देवास जॉब पोर्टल' के माध्यम से वेलस्पन लिविंग लिमिटिड द्वारा 03 जून को प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जायेगा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास जिले के युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए देवास जॉब पोर्टल के माध्यम से वेलस्पन लिविंग लिमिटिड द्वारा 03 जून को मल्हार स्मृति मंदिर देवास में सुबह 11 बजे से दोपहर 02 बजे तक प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जा रहा है। इस भर्ती अभियान के अंतर्गत ट्रेनी (मशीन ऑपरेटर) पद हेतु कुल 450 रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थियों को अपने साथ रिज्यूम लेकर उपस्थित होना अनिवार्य है। अधिक जानकारी एवं ऑनलाइन आवेदन हेतु उम्मीदवार देवास जॉब पोर्टल की आधिकारिक वेबसाइट https://dewasjob.mp.gov.in/ विजिट कर सकते हैं अथवा दिए गए त्तक्रष्टश्वस्त्रद्द को स्कैन कर आवेदन कर सकते हैं।

भीषण गर्मी में भी झेला जलसंकट, अब भी नहीं मिल रहा पर्याप्त पानी

ग्रामीणों ने तहसीलदार व सीईओ को ज्ञापन सौंपा की नियमित जलापूर्ति की मांग

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के मो.बड़ोदिया में भीषण गर्मी झेल रहे मोहन बड़ोदिया के रहवासियों के सब्र का बांध टूट चुका है। क्योंकि पिछले 6 माह से वे जलसंकट झेल रहे हैं। कई लोगों का पूरा दिन पानी की व्यवस्था में बीत जाता है। इसे लेकर मंगलवार को ग्रामीणों ने मंगलवार को एक ज्ञापन तहसीलदार व सीईओ को सौंपा। जिसमें समस्या समाधान की मांग की। वहीं समस्या हल न होने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी।

मंगलवार को आक्रोशित ग्रामीणों ने तहसील और जनपद कार्यालय पहुंचकर अपनी समस्या बताई। उन्होंने नायब तहसीलदार मुकेश गुप्ता और जनपद पंचायत सीईओ अमृतराज सिसोदिया को शिकायत आवेदन सौंपा। जिसमें बताया कि कुछ माह पहले शाजापुर कलेक्टर ने भी मोहन बड़ोदिया का दौरा किया था। उस समय ग्रामीणों ने कलेक्टर को समस्या से अवगत कराया था। कलेक्टर ने अनियमितता पर संबंधित ठेकेदार के खिलाफ एफआईआर के निर्देश दिए थे, लेकिन इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। ग्रामीणों ने मांग की है कि कंपनी द्वारा नल जल योजना के तहत डाली गई पाइपलाइन की व्यवस्था सुधारी जाए और मोहन बड़ोदिया के सभी नगरवासियों को प्रत्येक घर तक पानी मिले। क्योंकि योजना के तहत जिन घरों में नल कनेक्शन दिए गए हैं वहां ठीक से पानी नहीं पहुंचता जिससे यह योजना किसी काम की नहीं है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि मो. बडोदिया मे जब नल जल सर्वे हुआ था तब कहा गया था की नलो में पानी तीसरी मंजिल तक बिना मोटर के चढ़ सकेगा, लेकिन प्रेशर तो दूर पानी ही उपलब्ध नहीं है। ग्रामीणों ने बताया कि बल्डी पर बनाई गई बड़ी टंकी से गांव को जोड़ा जाए तो समस्या का समाधान हो सकता है। ग्रामीणों ने ज्ञापन में आरोप लगाया कि योजना के तहत कंपनी द्वारा जो पाइप डाले गए हैं वह भी काफी कमजोर किस्म के हैं जो आए दिन क्षतिग्रस्त होते रहते हैं। जिससे काफी मात्रा में पानी व्यर्थ बह जाता है। वहीं जो नल कनेक्शन किए गए हैं उनमे से 50 कनेक्शन तो ऐसे है जो सीधे मेन लाइन से जोड़ दिए गए हैं। जिससे भी प्रतिदिन पानी व्यर्थ बहता रहता है जिसे रोका जाना जरूरी है। ग्रामीणों ने अधिकारियों से प्रतिदिन जलप्रदाय किए जाने की मांग की है ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके।

चक्काजाम की दी चेतावनी- समस्या लेकर पहुंचे ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि आठ दिन के भीतर उनकी पानी की समस्या का समाधान नहीं होता है तो वे नौवें दिन आगर-सारंगपुर रोड पर चक्का जाम करेंगे। इसकी समस्त जवाबदारी प्रशासन और जल विभाग की होगी। मामले में नायब तहसीलदार मुकेश गुप्ता ने ग्रामीणों को बताया कि उनकी समस्या के बारे में वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। मोहन बड़ोदिया जनपद पंचायत सीईओ अमृतराज सिसोदिया ने जल विभाग के अधिकारी से फोन पर बात की और एक-दो दिन में समस्या का निराकरण करने को कहा। उन्होंने संबंधित ठेकेदार के खिलाफ एफआईआर करने की बात भी कही।

6 माह पहले दिए कनेक्शन, अब तक शुरू नहीं की सप्लाई- ग्रामीणों ने सौंपे गए आवेदन में बताया कि मोहन बड़ोदिया की सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की अस्पताल कालोनी में भी योजना के तहत 6 माह पहले नल कनेक्शन दिए गए थे, लेकिन अभी तक कनेक्शन नहीं दिए गए और मुख्य पाइप लाइन से पानी की आपूर्ति नहीं जोड़ी गई है। जिससे यहां रहने वाले लोग भी जलसंकट का सामना कर रहे हैं। ग्रामीणों ने इस अधूरे कार्य को भी जल्द पूरा करने की मांग की है ताकि अस्पताल कालोनी के निवासियों की भी समस्या हल हो सके।

युवक कांग्रेस ने वाहन चालकों को खिलाई मेलॉडी

पेट्रोल पंप पर मूल्य डीजल-पेट्रोल मूल्य वृद्धि का किया अनोखा विरोध

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। युवक कांग्रेस द्वारा पेट्रोल-डीजल के मूल्य में हो रही वृद्धि को लेकर अनोखा विरोध प्रदर्शन किया गया। कार्यकर्ताओं ने पेट्रोल पंप पहुंचकर पहले तो जमकर नारेबाजी की। इसके बाद जो भी वाहन चालक पेट्रोल भरवाने आए उन्हें मेलॉडी चॉकलेट बांटकर कहा ''मेलॉडी खाओ, पेट्रोल भरवाओ''। इस विरोध के तरीके से वाहन चालक भी मुस्कुराते नजर आए।

दरअसल पेट्रोल-डीजल के भाव पिछले कई दिनों से लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे आम उपभोक्ताओं का घर चलाना मुश्किल हो रहा है। लोगों का कहना है कि हम घर चलाएं या गाड़ी। इसी को लेकर मंगलवार को युवक कांग्रेस के कार्यकर्ता और पदाधिकारियों ने इस मूल्य वृद्धि के विरोध में अनोखा प्रदर्शन किया। वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता वीरेंद्रसिंह गोहिल ने कहा कि आज प्रदेश और केंद्र में बैठे लोग आम लोगों की जेब पर सीधे डाका डाल रहे हैं। वे लोगों से तो खर्चों में कटौती करने, सोना न खरीदने की अपील करते हैं और खुद वाहनों के काफिलों में घूम-घूमकर जनता के पैसों पर ऐश कर रहे हैं। लगातार मूल्य वृद्धि की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार लगातार कर्ज लिए जा रही है जिसका बोझ जनता के कंधो पर डाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब जनता इनकी कारगुजारियों से तंग आ चुकी है जिसका गुस्सा भी अब लोगों में नजर आने लगा है और जनता इन्हें जवाब देने को तैयार है। इस अवसर पर किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष कैलाश मटोलिया, दीपक निगम, मांगीलाल नायक, धर्मेन्द्र प्रजापति, राम शर्मा, रियान खान, योगेंद्र वर्मा, सौरभ गवली, कैफ खान, लखन मंडावर, मोहित माहेश्वरी, इरशाद पिपलिया, गोविंद वर्मा, सरलेश चतमुर्वेदी, शैलेंद्र अहिरवार, दीपक सलोकिया, इश्वर सिंह, नावेद खान, अनवर खान, कबीर कुरैशी, सिद्धिक खान सहित बड़ी संख्या में युवक कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मेलॉडी खाओ, पेट्रोल भरवाओ- युवक कांग्रेस के विधानसभा अध्यक्ष इरशाद नागोरी के नेतृत्व में मंगलवार को कांग्रेसी कार्यकर्ता बड़ी संख्या में पेट्रोल पंप पहुंचे और वहां पेट्रोल लेने आए लोगों को मेलॉडी चॉकलेट का वितरण किया और कहा कि मेलॉडी खाओ पेट्रोल भरवाओ। इस विरोध प्रदर्शन की लोगों ने भी सराहना की और मूल्य वृद्धि को लेकर अपनी बात कही।

अविवादित नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन प्रकरणों का तय समय सीमा में निराकरण करें- कलेक्टर श्री सिंह

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह की अध्यक्षता में समय-सीमा संबंधी लंबित पत्रों के निराकरण की प्रगति तथा अंतरविभागीय समन्वय से संबंधित मामलों की समीक्षा बैठक कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री दलीप कुमार, अपर कलेक्टर श्री शोभाराम सोलंकी, अपर कलेक्टर श्री संजीव जैन, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती प्रिया चंद्रावत, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती विशाखा देशमुख, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती अंशु जावला सहित अन्य विभागों के जिला अधिकारीगण उपस्थित थे। समय-सीमा संबंधी बैठक में विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी वर्चुअली शामिल हुए। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने अविवादित नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन प्रकरणों की समीक्षा कर निर्देश दिए कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी संबंधित अधिकारी तय समय सीमा में अविवादित नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन प्रकरणों का निराकरण करें। कलेक्टर श्री सिंह ने भूमि आवंटन प्रकरणों की समीक्षा कर भूमि आवंटन प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने पट्टा नवीनीकरण एवं फॉर्मर रजिस्ट्री कार्य की समीक्षा कर शत-प्रतिशत कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह ने जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रगति की विस्तृत समीक्षा कर अभियान के तहत जल स्त्रोतों के पुनरुद्धार सहित अभियान के तहत किए जा रहे अन्य कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले के सभी नगरीय एवं ग्रामीण निकायों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत चिन्हित किए गए कुएं, बावड़ी, तालाब और नदियों के संरक्षण कार्य को समय सीमा में पूर्ण करें। उन्होंने सभी अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने अनुभाग अंतर्गत तालाबों से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करें।

कलेक्टर श्री सिंह ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की विस्तृत समीक्षा कर योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह जिले में योजना के तहत स्वीकृत आवासों, जारी किश्तों और निर्माण की वर्तमान स्थिति की बिंदुवार समीक्षा की। इस दौरान बताया गया कि जिले को प्रधानमंत्री आवास योजना में 7203 का लक्ष्य दिया है, जिसमें जिले में 6746 आवास स्वीकृत हो गए है। 3958 आवासों में प्रथम किस्त जारी हो गई है तथा 06 आवास पूर्ण हो गये है। कलेक्टर श्री सिंह ने समीक्षा के दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन आवासों की स्वीकृति शेष है, उन्हें तुरंत पूरा किया जाए।

कलेक्टर श्री सिंह ने जल जीवन मिशन अंतर्गत एकल नल-जल योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर पूर्ण योजनाओं को शीघ्र हैंड ओवर करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि पूर्ण हो चुकी नल जल योजनाओं को अलग-अलग समय पर हैंडओवर नहीं कर के माह में एक दिन सुनिश्चित कर नल जल योजनाओं को हैंड ओवर करें। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्राम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में जल अर्पण दिवस का आयोजन कर योजना को हैंड ओवर करें।

कलेक्टर श्री सिंह ने जिले की सभी जनपद पंचायतों एवं नगर परिषदों में चल रहे ई-केवाईसी कार्य की विस्तृत समीक्षा की। कलेक्टर ने एक-एक कर सभी नगरीय निकायों और ग्रामीण क्षेत्रों में ई-केवाईसी की वर्तमान स्थिति को देखा। उन्होंने सभी मुख्य कार्यपालन अधिकारियों और मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में अभियान चलाकर शत प्रतिशत ई-केवाईसी का कार्य शीघ्र पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

थाना बड़ावदा बना ISO (आईएसओ) प्रमाणित थाना

प्रवीण व्यास/दैनिक मालवा/हेराल्ड। आधुनिक प्रबंधन, तकनीकी नवाचार एवं जनकेंद्रित पुलिसिंग के उत्कृष्ट मॉडल के रूप में मिली मान्यता रिकॉर्ड प्रबंधन, त्त्क्र आधारित ट्रैकिंग सिस्टम, महिला हेल्प डेस्क एवं नागरिक सुविधाओं में नवाचारों को मिला राष्ट्रीय स्तर का प्रमाणन पुलिस अधीक्षक रतलाम श्री अमित कुमार के निर्देशन में जिले के सभी थानों एवं पुलिस कार्यालयों के मानकीकरण एवं सुव्यवस्थित करने के प्रयासों के फलस्वरूप जिले के एक और थाना बड़ावदा को आई एस ओ प्रमाण पत्र मिला।

दिनांक 02.06.26 को पुलिस उप महानिरीक्षक रतलाम रेंज श्री निमिष अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक रतलाम श्री अमित कुमार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक कुमार की उपस्थिति में थाना प्रभारी बड़ावदा श्री वैभव प्रिय (प्रशिक्षु आई पी एस) को ढ्ढस्ह्र प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना प्रभारी बड़ावदा श्री वैभव प्रिय (प्रशिक्षु आई पी एस)एवं थाना बड़ावदा टीम को आईएसओ प्रमाण पत्र प्राप्ति हेतु किए गए प्रयासों एवं मेहनत की सराहना की।

इस अवसर पर प्रशिक्षु भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी एवं थाना प्रभारी बड़ावदा श्री वैभव प्रिय ने कहा कि यह ISO Certification केवल एक प्रमाण पत्र नहीं, बल्कि पुलिस विभाग की पारदर्शिता, जवाबदेही एवं उत्कृष्ट जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि पुलिस थाना केवल कानून व्यवस्था बनाए रखने का केंद्र नहीं, बल्कि आमजन के विश्वास का भी केंद्र होता है। इसी विश्वास को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से थाना बड़ावदा में विभिन्न सुधारात्मक एवं नवाचारात्मक पहलें की गई हैं।

रिकॉर्ड प्रबंधन में व्यापक सुधार- थाना बड़ावदा में वर्षों से संधारित अभिलेखों का वैज्ञानिक तरीके से वर्गीकरण एवं व्यवस्थित प्रबंधन किया गया। मध्यप्रदेश पुलिस विनियमों एवं प्रचलित नियमों के अनुरूप अनुपयोगी अभिलेखों का विधिवत रिकॉर्ड डिस्ट्रक्शन कर रिकॉर्ड रूम को अधिक सुव्यवस्थित एवं उपयोगी बनाया गया, जिससे आवश्यक अभिलेखों तक त्वरित पहुंच सुनिश्चित हुई है।

QR Code आधारित मालखाना प्रबंधन प्रणाली- जब्त संपत्तियों के संरक्षण एवं पारदर्शी प्रबंधन हेतु मालखाने का पूर्ण पुनर्गठन किया गया है। प्रत्येक जब्त संपत्ति को त्त्क्र ष्टश्स्रद्ग से टैग कर डिजिटल ट्रैकिंग प्रणाली विकसित की गई है, जिससे वस्तु की स्थिति, स्थान एवं मूवमेंट की जानकारी त्वरित रूप से उपलब्ध हो सकेगी। यह पहल मालखाना प्रबंधन में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

QR आधारित Vehicle Tracking System- न्यायालयीन आदेशों के अंतर्गत थाना परिसर में रखे गए वाहनों के बेहतर प्रबंधन हेतु QR Code आधारित Vehicle Tracking System प्रारंभ किया गया है। इस प्रणाली से प्रत्येक वाहन का डिजिटल रिकॉर्ड एवं अद्यतन जानकारी सरलता से प्राप्त की जा सकती है, जिससे वाहन प्रबंधन अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी हुआ है।

नागरिक सुविधाओं का विस्तार- थाना परिसर में आमजन की सुविधा हेतु शीतल पेयजल उपलब्ध कराने के लिए Water Cooler स्थापित किया गया है। साथ ही नागरिकों एवं कर्मचारियों के लिए सुव्यवस्थित Vehicle Parking विकसित की गई है, जिससे थाना परिसर अधिक व्यवस्थित एवं नागरिक अनुकूल बन सका है।

उर्जा महिला हेल्प डेस्क का पुनरोद्धार- महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए उर्जा महिला हेल्प डेस्क का व्यापक रूप से पुनरोद्धार किया गया है। हेल्प डेस्क को अधिक संवेदनशील, सुविधाजनक एवं नागरिक हितैषी स्वरूप प्रदान किया गया है, जिससे महिला पीड़िताओं को सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण में सहायता प्राप्त हो सके।

Citizen Feedback System की शुरुआत- जनसंपर्क एवं पुलिस सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के उद्देश्य से त्त्क्र ष्टश्स्रद्ग आधारित Citizen Feedback System प्रारंभ किया गया है। अब कोई भी नागरिक अपने मोबाइल फोन के माध्यम से तत्काल फीडबैक दे सकता है। प्राप्त सुझाव एवं प्रतिक्रियाएं पुलिस सेवाओं के सतत मूल्यांकन एवं सुधार में सहायक सिद्ध होंगी।

खेल एवं सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा- पुलिस बल के शारीरिक स्वास्थ्य एवं सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित करने हेतु थाना परिसर में आधुनिक Volleyball Court का निर्माण कराया गया है। इस सुविधा का लाभ पुलिस कर्मचारियों के साथ-साथ स्थानीय युवा एवं नागरिक भी प्राप्त कर सकेंगे। यह पहल पुलिस एवं समाज के मध्य संवाद एवं विश्वास को और अधिक मजबूत करने में सहायक होगी।

ISO Certification बना उत्कृष्ट पुलिसिंग का प्रतीक- प्रशिक्षु IPS श्री वैभव प्रिय ने कहा कि ISO Certification थाना बड़ावदा द्वारा किए गए सभी सुधारात्मक प्रयासों की औपचारिक मान्यता है। यह उपलब्धि भविष्य में और अधिक उत्कृष्टता, पारदर्शिता, तकनीकी नवाचार एवं जनकेंद्रित पुलिसिंग की दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरणा प्रदान करेगी।

उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय थाना स्टाफ, वरिष्ठ अधिकारियों एवं आमजन के सहयोग को देते हुए कहा कि पुलिस एवं जनता के संयुक्त प्रयासों से ही आधुनिक एवं विश्वास आधारित पुलिसिंग का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

इस दौरान सीएसपी जावरा श्री युवराज सिंह चौहान, एसडीओपी जावरा श्री संदीप मालवीय, रक्षित निरीक्षक श्री मोहन भार्गवत, थाना बड़ावदा स्टाफ समस्त थाना एवं चौकी के प्रभारी तथा पुलिस अधीक्षक कार्यालय एवं रक्षित लाइन का स्टाफ उपस्थित रहा।

इकाई उज्जैन की ट्रेप कार्यवाही

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महानिदेशक, लोकायुक्त श्री योगेश देशमुख के भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्त कार्यवाही किए जाने के निर्देश पर उप पुलिस महानिरीक्षक श्री मनोज सिंह जी के प्रभावी मार्गदर्शन में लोकायुक्त संभाग उज्जैन के द्वारा सफल ट्रेप कार्यवाही, ट्रेप दिनांक 02.06.2026, नाम आवेदक -ललित मीणा, वनरक्षक, गांधी सागर परिक्षेत्र मंदसौर, आरोपी - कृष्ण प्रताप सिंह राठौर, स्थापना शाखा प्रभारी, सामान्य वनमडल मंदसौर. रिश्वत राशि- 3,000/-रूपए, कार्य का विवरण - आवेदक द्वारा स्वयं के ईलाज हेतु 43 दिवस अर्जित अवकाश हेतु विभाग के ढ्ढस्नरूस्र पोर्टल के माध्यम से दिनांक 27.05.2026 को ऑनलाईन किए गए आवेदन को आरोपी कृष्ण प्रताप सिंह राठौर, जिनकी आई.डी. में उक्त आवेदन लंबित था, को आगे अग्रेषित करने एवं स्वीकृत करवा देने के नाम पर 3,000/-रूपए लेते ट्रेप किया गया । आरोपी के विरुद्ध धारा-7 भ्र0नि0संशो0अधि0 2018 के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया । टीम द्वारा कार्यवाही की जा रही है।

ट्रैप दल -डीएसपी श्री दिनेशचंद्र पटेल, निरीक्षक हीना डावर, प्र. आर. हितेश ललावत, आर. उमेश जाटव, आर. श्याम शर्मा, आर. मो. इसरार,

लोकायुक्त संगठन द्वारा लगातार भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्यवाही की जा रही है । आमजन से अपील है कि यदि कोई लोकसेवक अधिकारी, कर्मचारी किसी शासकीय कार्य को करने हेतु रिश्वत की मांग करता है, तो लोकायुक्त उज्जैन को मोबाईल नंबर 9425103975 पर अथवा शासकीय दूरभाष 0734-2512756 पर सम्पर्क कर सकता है ।

कलेक्टर ने रामा तहसील कार्यालय में तड़वी एवं कोटवारों की बैठक ली

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने रामा तहसील कार्यालय में तड़वी एवं कोटवारों की बैठक लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में उनकी भूमिका एवं दायित्वों पर चर्चा की। बैठक में कलेक्टर ने तड़वी एवं कोटवारों को प्रशासन और ग्रामीण समुदाय के बीच महत्वपूर्ण कड़ी बताते हुए विभिन्न विषयों पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में सर्पदंश, दुर्घटनाओं एवं अन्य आपातकालीन घटनाओं की सूचना तत्काल प्रशासन तक पहुंचाने तथा जनजागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। कलेक्टर ने तड़वी एवं कोटवारों से उनके क्षेत्रों की स्थिति एवं समस्याओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण समुदाय स्वयं प्रेरित होकर सामाजिक सुधार के लिए निर्णय ले तथा प्रशासन ऐसे सकारात्मक प्रयासों में पूर्ण सहयोग प्रदान करेगा। बैठक में गांवों में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने, किसी भी संदिग्ध अथवा महत्वपूर्ण गतिविधि की जानकारी तत्काल प्रशासन को देने तथा आपसी समन्वय एवं संवाद के माध्यम से छोटे-मोटे विवादों को सुलझाने के प्रयास करने पर बल दिया गया। कलेक्टर ने ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने, विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सामाजिक मुद्दों पर जनजागरूकता करने तथा शासन की योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने तड़वी एवं कोटवारों से अपेक्षा व्यक्त की कि वे अपनी जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए गांवों के विकास, सामाजिक समरसता एवं जनहित के कार्यों में सक्रिय योगदान दें।

उज्जैन पुलिस रेडियो शाखा में पदस्थ सेवानिवृत्त होने वाले पुलिस विभाग के दो अधिकारियों को आयोजित गरिमामय समारोह में सम्मानपूर्वक विदाई दी गई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस विभाग के लिए एक भावुक और विदाई का क्षण रहा। पुलिस विभाग में एक लंबी और समर्पित सेवा के बाद सेवानिवृत्त होना किसी भी अधिकारी के जीवन का एक बहुत बड़ा पड़ाव होता है। पुलिस अधीक्षक रेडियो जिला उज्जैन में आज अपनी सेवाएं पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों को शाल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यवाहक निरीक्षक अनिल कुमार सर्राफ को 43 वर्ष एवं कार्यवाहक उप निरीक्षक राकेश सिंह भदौरिया ने 41 वर्ष की पुलिस विभाग को अपनी सेवाएं दी। पुलिस विभाग में रेडियो शाखा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है, जो कानून व्यवस्था और संचार व्यवस्था की रीढ़ मानी जाती है। इन दोनों अधिकारियों ने अपने लंबे सेवाकाल में उज्जैन पुलिस और जनता की सुरक्षा में जो योगदान दिया है, वह सराहनीय है।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक रेडियो उज्जैन द्वारा सभी सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों का पुष्पमाला पहनाकर, शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। विदाई समारोह के दौरान उपस्थित अधिकारियों-कर्मचारियों ने भी सेवानिवृत्त अधिकारियों के साथ अपने अनुभव साझा किए तथा उनके योगदान की सराहना करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी। उज्जैन पुलिस परिवार की ओर से सभी सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके आगामी जीवन अच्छे स्वास्थ्य, सुख और समृद्धि के लिए हार्दिक शुभकामनाएं एवं मंगलकामनाएं बधाई दी।

दुख की घड़ी में संबल बना काश्यप परिवार

बदनावर नगर परिषद को सौगात में मिला नवीन शव वाहन

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कहते हैं कि सच्ची जनसेवा वही है जो किसी के संकट या दुख की घड़ी में काम आए। बदनावर नगरवासियों की एक ऐसी ही दीर्घकालिक और बेहद संवेदनशील आवश्यकता को समझते हुए मध्य प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री चैतन्य काश्यप ने अपना वादा निभाया है। उनके संरक्षण वाली संस्था काश्यप स्वीटनर्स प्रा. लि. के माध्यम से आज नगर परिषद बदनावर को एक आधुनिक और नवीन शव वाहन समर्पित किया गया।

इस सेवा कार्य की नींव तब पड़ी थी जब परम पूज्य गुरुदेव श्री 1008 अवधूत श्री नर्मदानंद जी बप्पा का बदनावर प्रवास हुआ था। उस पावन अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि शेखर यादव ने मंत्री काश्यप को नगर की इस जरूरत से अवगत कराया था। जनहित के प्रति सदैव तत्पर रहने वाले मंत्री जी ने बिना किसी विलंब के इस मांग को सहर्ष स्वीकार किया।

इसी कड़ी में आज एक गरिमापूर्ण संक्षिप्त आयोजन में काश्यप स्वीटनर्स के कार्यकारी निदेशक राजीव गोरवाडा ने नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि शेखर यादव एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी लालसिंह राठौर को वाहन की चाबी सौंपी। नगर के प्रबुद्ध जनों ने कश्यप परिवार के इस अनुकरणीय कदम की सराहना करते हुए कहा कि यह वाहन अंतिम विदाई जैसी घड़ी में जरूरतमंद परिवारों के लिए एक बड़ा संबल बनेगा।

तीन साल बाद भी कार्रवाई नहीं, अब जीतू पटवारी ने उठाए सवाल; बोले- भ्रष्टाचारियों को बचाने वालों को भी नहीं छोड़ा जाएगा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनपद पंचायत जावद के अध्यक्ष गोपाल चारण के रिश्वत लेते पकड़े जाने के मामले में लगभग तीन साल बीत जाने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने पर कांग्रेस ने सरकार और प्रशासन को घेरा है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के बाद अब कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भी इस मामले में सवाल उठाते हुए भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

नीमच में मीडिया से चर्चा के दौरान जीतू पटवारी ने कहा कि शासन और जिला प्रशासन को इस मामले में गंभीरता दिखानी चाहिए। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के मामलों में कार्रवाई होना जरूरी है। यदि सरकार कार्रवाई नहीं करती है तो भविष्य में कांग्रेस सरकार बनने पर भ्रष्टाचार करने वालों के साथ-साथ उन्हें संरक्षण देने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

पटवारी ने कहा, जनपद अध्यक्ष भ्रष्टाचार के मामले में शासन को जागना चाहिए, डीएम को ध्यान देना चाहिए। भ्रष्टाचार के खिलाफ काम होना चाहिए। यदि कार्रवाई नहीं होती है तो सरकार आने पर भ्रष्टाचार करने वालों को सजा दी जाएगी और जो उन्हें बचा रहे हैं, उन्हें भी नहीं छोड़ा जाएगा।

इससे पहले प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने 30 मई को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स और फेसबुक पर पोस्ट कर नीमच कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक से कई सवाल पूछे थे। उन्होंने पूछा था कि रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़े जाने के बावजूद गोपाल चारण की गिरफ्तारी के बाद आगे की कार्रवाई क्यों नहीं हुई और उन्हें पद से क्यों नहीं हटाया गया। साथ ही पंचायतों में भ्रष्टाचार के मामलों में दोषी पाए गए सरपंचों और सचिवों के विरुद्ध पंचायत अधिनियम के तहत कार्रवाई नहीं किए जाने पर भी सवाल उठाए थे। उन्होंने जवाब नहीं मिलने की स्थिति में जनसुनवाई में पहुंचने की बात भी कही थी।

गौरतलब है कि 27 मार्च 2023 को लोकायुक्त पुलिस ने जनपद पंचायत जावद के अध्यक्ष गोपाल चारण को 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया था। आरोप था कि ग्राम पंचायत खोर के सरपंच बलराम जाट से ग्राम खेड़ा राठौर में सामुदायिक भवन सह ई-कक्ष निर्माण के लिए स्वीकृत पांच लाख रुपए की योजना को मंजूरी देने के एवज में रिश्वत मांगी गई थी। लोकायुक्त की कार्रवाई के बाद मामला सुर्खियों में आया था, लेकिन तीन साल बाद भी किसी बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई के अभाव में अब यह मुद्दा फिर से राजनीतिक बहस का केंद्र बन गया है।

मलेरिया पर प्रहार, जागरूकता से उपचार, जून मलेरिया निरोधक माह के तहत कलेक्ट्रेट में अंतर विभागीय कार्यशाला संपन्न

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रतिवर्षानुसार माह जून को मलेरिया निरोधक माह के रूप में मनाया जा रहा है। मच्छर जनित बीमारियों यथा मलेरिया, डेंगू, चिकुनगुनिया इत्यादि के संबंध में आमजन में जागरूकता लाने हेतु जिले में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

अंतर विभागीय कार्यशाला संपन्न- इसी क्रम में मंगलवार को टी.एल. बैठक के पश्चात कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में मलेरिया निरोधक माह जून 2026 के अंतर्गत विभिन्न विभागों से समन्वय हेतु अंतर विभागीय कार्यशाला का आयोजन कलेक्ट्रेट सभाकक्ष, नीमच में किया गया। कार्यशाला में समस्त विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर के निर्देश- कलेक्टर ने समस्त विभागों को निर्देशित किया कि मानसून के दौरान मच्छरों की उत्पत्ति के स्त्रोत बढ़ जाते हैं, जिससे मच्छर जनित बीमारियां फैलने लगती हैं। मच्छर के उत्पत्ति स्त्रोतों को नष्ट कर ही इन बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सकता है। उन्होंने सभी विभागों को अपने-अपने कार्यक्षेत्र में मच्छरजन्य परिस्थितियों को समाप्त कर बीमारियों के नियंत्रण में सक्रिय सहयोग करने के निर्देश दिए।

जिला मलेरिया अधिकारी की अपील- जिला मलेरिया अधिकारी श्री अल्पेश कुमार बारिया ने समस्त विभागों से अपील की कि वे अपने कार्यालय परिसर, आवासीय कॉलोनियों एवं कार्यस्थलों पर जल-जमाव न होने दें। कूलर, गमले, टायर, नारियल के खोल आदि में एकत्र पानी को नियमित रूप से खाली करें। मच्छरजन्य परिस्थितियों को नष्ट करने में प्रशासन का सहयोग करें, जिससे जिले को मलेरिया, डेंगू एवं चिकुनगुनिया मुक्त बनाया जा सके।

कलेक्टर ने आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम की समीक्षा बैठक ली

ड्रॉपआउट शून्य करने एवं शत-प्रतिशत नामांकन पर जोर

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम अंतर्गत विभिन्न संकेतांकों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, वित्तीय समावेशन, डिजिटल कनेक्टिविटी एवं आधारभूत सुविधाओं से संबंधित विभागों की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

बैठक में कलेक्टर ने आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न संकेतांकों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विभाग अपने-अपने संकेतांकों के अनुरूप लक्ष्य निर्धारित कर परिणाम आधारित कार्य करें। उन्होंने कहा कि फील्ड स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग एवं प्रभावी क्रियान्वयन से ही जिले की रैंकिंग एवं प्रदर्शन में सुधार संभव है।

स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी संकेतांकों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने प्रथम तिमाही में गर्भवती महिलाओं की शत-प्रतिशत एएनसी जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आशा एवं एएनएम स्तर तक लक्षित कार्ययोजना बनाकर गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान, पंजीयन एवं नियमित स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित करने को कहा। संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने तथा कम वजन वाले बच्चों की समस्या के निराकरण हेतु गर्भावस्था के प्रारंभिक चरण से ही विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए।

तिरुपति धाम में चल रहे 15 दिवसीय सुदर्शन शतकम् अनुष्ठान एवं महायज्ञ सम्पन्न

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बड़नगर रोड स्थित हनुमान गढ़ी के तिरुपति धाम मंदिर में चल रहे 15 दिवसीय सुदर्शन शतकम् अनुष्ठान और महायज्ञ में श्रीमद् जगदुरु रामानुजाचार्य गादी स्वामी श्रीनिवास आचार्य महाराज कांची से पधारे। तिरुपति धाम में विश्व कल्याण, सुख-समृद्धि और आध्यात्मिक चेतना के प्रसार के लिए आयोजित किया गया सुदर्शन शतकम अनुष्ठान विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। इस विशेष अनुष्ठान में कई विद्वानों, पुजारियों और श्रद्धालुओं ने भाग लिया। वैदिक मंत्रोच्चार और अनुष्ठान हुआ। महाविष्णु के अस्त्र भगवान सुदर्शन को समर्पित इस अनुष्ठान में महासुदर्शन चक्र की विशेष पूजा-अर्चना की गई। योग्य आचार्यों द्वारा सुदर्शन शतकम् के श्लोकों का सामूहिक पाठ और महायज्ञ संपन्न हुआ। यह आयोजन श्रीमद जगतगुरू रामानुजाचार्य स्वामी श्रीकान्ताचार्य महाराज एवं उत्तराधिकारी राघवेन्द्राचार्य जी महाराज, कार्य संचालक महाराज मनोज तिवारी, महामंत्री श्यामसिंह सिकरवार, प्रचार प्रसार प्रभारी दिनेश जोशी, सत्यानारायण सोमानी, ओमप्रकाश बियानी, विजय बागंड़ आदि के तत्वाधान में अनुष्ठान सम्पन्न हुआ। विश्व शांति की कामना अनुष्ठान का मुख्य उद्देश्य वैश्विक शांति, नकारात्मक ऊर्जा का नाश और समाज में आरोग्यता (अच्छे स्वास्थ्य) को बढ़ावा देना था। श्रद्धालुओं का लगा तांता इस पावन अवसर पर तिरुपति पहुंचे भक्तों ने न केवल भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन किए, बल्कि अनुष्ठान की पूर्णाहुति में शामिल होकर आशीर्वाद भी प्राप्त किया। सुदर्शन शतकम् में 100 श्लोक हैं, जो भगवान विष्णु के सुदर्शन चक्र की महिमा, शक्ति और स्वरूप का वर्णन करते हैं। सनातन परंपरा में माना जाता है कि इसका पाठ करने से जीवन के सभी संकटों, शत्रुओं और मानसिक तनावों से मुक्ति मिलती है। तिरुपति देवस्थानम और स्थानीय धार्मिक संस्थाओं के सहयोग से संपन्न हुआ यह अनुष्ठान आध्यात्मिक दृष्टि से बेहद भव्य और फलदायी रहा।

रामा ब्लॉक की स्वास्थ्य संस्थाओं का निरीक्षण, स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा कर दिए आवश्यक निर्देश

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. देवेन्द्र भायल एवं जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. जी.एस. चौहान द्वारा रामा विकासखंड अंतर्गत विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं का निरीक्षण कर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, टीकाकरण, परिवार नियोजन, आयुष्मान भारत योजना तथा संस्थागत व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामा के निरीक्षण के दौरान मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. शैलेश बाबेरिया की उपस्थिति में आयुष्मान कार्ड निर्माण कार्य की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने पात्र हितग्राहियों के अधिक से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश दिए। संस्था में साफ-सफाई एवं पेयजल व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। समीक्षा के दौरान बताया गया कि गत माह संस्था में 192 संस्थागत प्रसव एवं 36 आईयूसीडी लगाए गए। अधिकारियों ने परिवार नियोजन सेवाओं के विस्तार एवं पात्र दंपत्तियों को परिवार नियोजन साधनों के प्रति जागरूक करने पर विशेष बल दिया।

कलेक्टर ने रामा में सचिवों एवं पटवारियों की बैठक लेकर दिए महत्वपूर्ण निर्देश

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने रामा में सचिवों एवं पटवारियों की बैठक लेकर शासन की प्राथमिकताओं एवं जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों-कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आमजन की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुनना प्रशासन की पहली जिम्मेदारी है। लोगों से नियमित संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

कलेक्टर ने कहा कि सभी अपने मुख्यालय पर नियमित रूप से उपस्थित रहें तथा गांवों का सतत भ्रमण कर लोगों से सीधे संपर्क बनाए रखें। उन्होंने जल संरक्षण एवं जल जीवन मिशन को जिले की सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए बंद पड़ी नल-जल योजनाओं को शीघ्र चालू कराने, पानी समितियों को सक्रिय करने तथा जल शुल्क संग्रहण एवं रखरखाव की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी शासकीय भवनों में वर्षा जल संचयन संरचनाएं विकसित करने तथा मनरेगा के माध्यम से जल संरक्षण कार्यों को प्राथमिकता देने को कहा।

सर्पदंश से होने वाली मृत्यु रोकने हेतु व्यापक जनजागरण अभियान चलाने तथा अस्पतालों में एंटी-स्नेक वेनम की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। शिक्षा विभाग को विद्यालयों एवं छात्रावासों में नियमित उपस्थिति, सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं की सतत निगरानी करने को कहा गया।

राजस्व विभाग को फार्मर आईडी का कार्य समय-सीमा में पूर्ण करने, भूमि विवादों एवं अतिक्रमण प्रकरणों का त्वरित निराकरण करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित भ्रमण कर अभिलेखों का सत्यापन करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि गरीबों की भूमि पर अवैध कब्जा किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बैठक में वर्षाकाल के दौरान आपदा प्रबंधन की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने जोखिम वाले स्थलों पर विशेष निगरानी रखने, जनहानि रोकने के लिए आवश्यक उपाय करने तथा राहत प्रकरणों में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी ईमानदारी, पारदर्शिता एवं जनसेवा की भावना से कार्य करें तथा जिले के विकास और आमजन की समस्याओं के समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्रसिंह चौहान, एसडीएम झाबुआ श्री महेश मंडलोई सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, कर्मचारी एवं सचिव, पटवारी उपस्थित रहे।

पहले एक तरफ का काम पूरा कर शुरू करें आवागमन

सड़क निर्माण कार्यों का निरीक्षण करने निकले संभाग आयुक्त और कलेक्टर ने दिए निर्देश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में चल रहे सड़क चौड़ीकरण कार्यों का सोमवार सुबह संभागायुक्त तथा कलेक्टर ने निरीक्षण कर अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़क निर्माण के दौरान आमजन की सुविधा के लिए जहां भी संभव हो, सड़क की एक साइड का निर्माण पूरा कर उसे आवागमन के लिए खोल दिया जाए, ताकि लोगों को आवाजाही में परेशानी का सामना न करना पड़े।

निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा भी मौजूद रहे। समग्र आयुक्त आशीष सिंह और कलेक्टर रोशन कुमार सिंह तथा अन्य अधिकारियों ने कंठाल से छत्रीचौक, टंकी चौराहा-ढाबा रोड, तेलीवाड़ा-बियावानी मार्ग तथा नानाखेड़ा केटीएम शोरूम से नीलगंगा तक चल रहे चौड़ीकरण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।

संभागायुक्त ने कंठाल से छत्रीचौक मार्ग पर नाली निर्माण और मलबा हटाने के कार्य की समीक्षा करते हुए कहा कि अतिरिक्त मशीनें और श्रमिक लगाकर कार्य में तेजी लाई जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि पहले सड़क की एक ओर का काम पूरा कर उसे यातायात के लिए शुरू किया जाए, जिससे बाजार क्षेत्र में लोगों और व्यापारियों को कम से कम असुविधा हो। टंकी चौराहे से ढाबा रोड तक के निरीक्षण में पाइपलाइन कार्य पूरा होने के बाद सड़क निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। साथ ही सड़क किनारे पड़े मलबे को तत्काल हटाने और पाइपलाइन लीकेज को प्राथमिकता से ठीक कराने को कहा गया। तेलीवाड़ा चौराहे से बियावानी चौराहे तक निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पाया कि एक ओर सड़क निर्माण का कार्य पूरा हो चुका है। इस पर संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि तैयार हिस्से को तत्काल यातायात के लिए खोल दिया जाए, ताकि लोगों को वैकल्पिक मार्गों पर निर्भर न रहना पड़े।

उन्होंने यह भी कहा कि वर्षा ऋतु शुरू होने से पहले प्राथमिकता वाले सभी कार्य पूरे किए जाएं। जरूरत पड़ने पर रात में भी काम कराया जाए और इंजीनियर नियमित मॉनिटरिंग कर गुणवत्ता सुनिश्चित करें। सिंहस्थ में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं और शहरवासियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी निर्माण कार्य समय-सीमा में पूरे करने पर जोर दिया गया।

शातिर बदमाश के पास मिली दो पिस्टल और ड्रग्स

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मादक पदार्थ ड्रग्स लेकर आए बदमाश के पास अवैध हथियार होने की सूचना मिलने पर पुलिस ने घेराबंदी की। बदमाश को हिरासत में लिया गया तो उसके पास से दो पिस्टल जिंदा कारतूस और एमडी ड्रग्स बरामद हो गई। जीवाजीगंज थाना पुलिस ने बताया कि मंगलवार को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति ऋणमुक्तेश्वर पुलिया के पास अवैध मादक पदार्थ एमडी ड्रग और अवैध हथियार लेकर खड़ा है। उक्त व्यक्ति की गिरफ्तारी के लिए पुलिस बल मौके पर पहुंचा और घेराबंदी की इस दौरान एक व्यक्ति में भागने का प्रयास किया जिस पर संदेह होते ही उसे पीछा कर पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उसके पास से 2 देशी पिस्टल, 1 जिंदा राउंड, 9 खाली राउंड के साथ 5 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हो गई। पूछताछ करने पर आरोपी का नामबपीयुष पिता नरेन्द्र गेहलोद 38 वर्ष, निवासी उर्दूपुरा होना सामने आया। थाना प्रभारी प्रतीक शर्मा ने बताया कि आरोपी के खिलाफ धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट व धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट में अपराध पंजीबद्ध कर कार्रवाई की गई है । आरोपी अपराधिक गतिविधियों में शामिल है जिसके खिलाफ पूर्व में भी प्रकरण दर्ज होना सामने आए हैं।

शराब की लत और प्रताड़ना से परेशान पत्नी-पुत्र ने की थी हत्या

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। खाल में मिली हाथ बंधी लाश का मामला हत्या का होने पर तराना पुलिस ने जांच शुरू की और मृतक की पहचान के प्रयास शुरू किये। कुछ देर में पहचान होने के साथ मामले का खुलासा होगा। मृतक को पत्नी और पुत्र ने मारने के बाद नाले में फेंका था। तराना थाना प्रभारी रामनारायण सिंह भदौरिया ने बताया कि सोमवार को कुछ लोगों ने सूचना देकर बताया था कि ग्राम कनासिया स्थित आमड़ी की खाल में एक युवक की लाश पड़ी है। पुलिस तत्काल घटनास्थल पहुंची। नाले में पानी भरा था, मृतक का शव बाहर निकाला गया। उसके हाथ कपड़े के धागे से बंधे थे, सिर पर चोंट के निशान दिखाई दे रहे थे। उसके दाहिने हाथ पर मदनलाल सोलंकी लिखा था। उसकी पहचान करने पर सामने आया कि मदनलाल पिता तोलाराम सोलंकी 45 साल निवासी ग्राम नायता पोलाय थाना टोंकखुर्द जिला देवास हाल मुकाम कनासिया है। उसके परिजनों को सूचना दी गई, लेकिन घर पर कोई नहीं मिला। आसपास पूछताछ करने पर पत्नी सौरमबाई और पुत्र संजू सोलंकी के साथ रहने की जानकारी सामने आई। दोनों की तलाश शुरू की गई और शाम को थाने लाया गया। पूछताछ करने पर दोनों ने टूट गये और मारकर नाले में फेंकना कबूल कर लिया। पत्नी में स्वीकार किया कि पति शराब पीने का आदी हो चुका था और आए दिन मारपीट कर प्रताड़ित करता था जिसके चलते पुत्र के साथ मिलकर पत्थर से मारा था। उसके बाद तड़के बाइक से लाश लेकर नाले तक आये थे। थाना प्रभारी के अनुसार मामले में हत्या का प्रकरण दर्ज कर आरोपित पत्नी और पुत्र को मंगलवार दो पर न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है।

महाकाल मंदिर का तीसरा फेसिलिटी सेंटर एक साल पीछे

जून 2025 में शुरू होना था संचालन, जून 2026 में भी आधा अधूरा निर्माण- लागत 15 करोड़ से बढ़कर 21 करोड़ रुपए पहुंची

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए बनाया जा रहा तीसरा फेसिलिटी सेंटर निर्धारित समय-सीमा के एक साल बाद भी पूरा नहीं हो सका है। श्रद्धालुओं को जिन सुविधाओं का लाभ जून 2025 से मिलना था, वे जून 2026 में भी उपलब्ध नहीं हो पाई हैं। निर्माण कार्य की धीमी गति और बढ़ती लागत ने इस महत्वपूर्ण परियोजना पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बड़ा गणेश मंदिर के समीप निर्माणाधीन इस फेसिलिटी सेंटर को महाकाल क्षेत्र की प्रमुख जनसुविधा परियोजनाओं में शामिल किया गया था। इसका उद्देश्य रुद्रसागर और हरसिद्धि क्षेत्र से आने वाले श्रद्धालुओं को एक ही स्थान पर आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना था, ताकि मंदिर क्षेत्र में भीड़ का दबाव कम हो और दर्शन व्यवस्था अधिक सुगम बन सके।

परियोजना के तहत श्रद्धालुओं के लिए वातानुकूलित प्रतीक्षालय, फूड कोर्ट, लड्डू प्रसाद काउंटर, टिकट काउंटर, जूता स्टैंड, आधुनिक सुविधाघर और अन्य व्यवस्थाएं विकसित की जानी हैं। लेकिन निर्धारित समय गुजरने के बाद भी यह सुविधाएं केवल कागजों तक सीमित हैं। जानकारी के अनुसार जुलाई 2024 में निर्माण कार्य शुरू हुआ था और अनुबंध के अनुसार इसे जून 2025 तक पूरा किया जाना था। हालांकि एक वर्ष अतिरिक्त समय बीतने के बाद भी निर्माण कार्य करीब 50 प्रतिशत ही पूरा हो पाया है। फिलहाल भवन का सिविल कार्य जारी है और इसके बाद विद्युतीकरण, एयर कूलिंग सिस्टम, लिफ्ट, फेसाड लाइटिंग तथा आंतरिक विकास जैसे कार्य किए जाने हैं। इस बीच परियोजना की लागत भी लगातार बढ़ी है। प्रारंभ में लगभग 15 करोड़ रुपए की लागत से प्रस्तावित इस जनसुविधा केंद्र का खर्च अब बढ़कर करीब 21 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। परियोजना में स्टोन क्लैडिंग, थ्री-डी नक्काशी और सौंदर्यीकरण जैसे अतिरिक्त कार्य शामिल किए गए हैं, जिन पर लगभग 4.23 करोड़ रुपए खर्च किए जाने का प्रस्ताव है। महाकाल क्षेत्र की परियोजनाओं को शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता मिलने के बावजूद इस महत्वपूर्ण सुविधा केंद्र का समय पर पूरा नहीं होना कई सवाल खड़े कर रहा है। सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के बीच श्रद्धालुओं के लिए बनाई जा रही यह परियोजना स्वयं देरी और अव्यवस्था का उदाहरण बनती दिखाई दे रही है।

सबसे बड़ी चिंता यह है कि निर्माण में देरी के लिए अब तक किसी एजेंसी या जिम्मेदार पक्ष की जवाबदेही स्पष्ट नहीं की गई है। साथ ही यह भी नहीं बताया गया है कि परियोजना कब तक पूरी होगी और श्रद्धालुओं को इसका लाभ कब मिलना शुरू होगा।

सवाल जो जवाब मांग रहे हैं- जून 2025 तक पूरा होने वाली परियोजना एक साल बाद भी अधूरी क्यों है?

-निर्माण एजेंसी की जवाबदेही तय की गई या नहीं?

-श्रद्धालुओं को सुविधाएं मिलने में अब कितना समय लगेगा?

-क्या यह परियोजना वर्ष 2026 में पूरी हो पाएगी?

महाकाल लोक और सिंहस्थ-2028 के बड़े विजन के बीच तीसरे फेसिलिटी सेंटर की धीमी प्रगति प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रही है। श्रद्धालुओं और शहरवासियों की नजर अब इस बात पर टिकी है कि वर्षों से प्रतीक्षित यह सुविधा केंद्र आखिर कब तक पूरी तरह तैयार होकर जनता को समर्पित होगा।

हत्या में फरार आरोपी 15 माह बाद आया था घर, गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। हत्या और हत्या के प्रयास में 15 माह से फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने घर आने की सूचना मिलते ही दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है। आरोपी के साथी पूर्व में गिरफ्तार हो चुके थे। नीलगंगा थाना प्रभारी तरूण कुरील ने बताया कि 15 माह पहले 14 मार्च 2025 को संजयनगर क्षेत्र में रोहित सांडिया, विकास उर्फ कुक्की और उसके साथियों द्वारा रोहित डोडियार के सीने में चाकू घोंपकर हत्या कर दी थी। रोहित को बचाने आये कान्हा पर जानलेवा हमला किया था। मामले में घायल कान्हा की शिकायत पर मामले में हत्या और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर अधिकांश आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया था। एक आरोपी अभिषेक उर्फ अमन पिता धर्मेन्द्र सांडिया 25 साल निवासी संजय नगर लगातार फरार चल रहा था। 31 मई की रात खबर मिली कि फरार आरोपी अभिषेक उर्फ अमन अपने घर आया हुआ है। तत्काल एसआई वेदप्रकाश साहू, आरक्षक लोकेश प्रजापति को रवाना किया और 15 माह से फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है।

स्लग- निरीक्षण में आयोग अध्यक्ष को मिली शिकायत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बाल संप्रेषण गृह मालनवासा का निरीक्षण और पौधारोपण करने के लिए आई बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष को काफी खामियां और शिकायत मिली थी। जिसके चलते वह बिना पौधारोपण के लोड गई थी और जिला कार्यक्रम अधिकारी को कमियां दूर करने और कार्रवाई के निर्देश दिए थे। मंगलवार को बाल संरक्षण गृह के प्रभारी अधीक्षक पर गाज गिरी उन्हें मूल पद पर वापस भेज दिया गया।

बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. निवेदिता शर्मा 2 दिन के उज्जैन प्रवास पर आई। इस दौरान मालनवासा स्थित बाल संप्रेषण गृह का निरीक्षण और पौधारोपण करने के लिए मंगलवार सुबह पहुंची। जहां परिसर में किशोर न्यायालय भी लगता है। निरीक्षण के दौरान संप्रेषण गृह के बच्चों से चर्चा में सामना आया कि उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है। बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष ने वहां की गतिविधियां देखी तो कई खामियां सामने आ गई जिससे वह काफी नाराज दिखाई और बिना पौधा रोपण के ही लौट गई। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी बृजेश त्रिपाठी को तत्काल कमियां दूर करने और कार्रवाई के निर्देश जारी किया। बाल संप्रेषण गृह की खामियां उजागर होने पर तत्काल एक्शन लिया गया और प्रभारी अधीक्षक प्रताप सिंह परस्ते को पद से हटाते हुए उन्हें मूल पद बाल गृह भेज दिया गया। संप्रेषण गृह में उनकी मौजूदगी के दौरान ही कई तरह की गलत गतिविधियां हो रही थी। प्रभारी अधीक्षक को हटाने के बाद बाल संरक्षण गृह का प्रभार लोकेंद्रसिंह सोलंकी को सोपा गया है। बताया जा रहा है कि यहां के कुछ और अधिकारी के सदस्यों की गलत गतिविधियों में भूमिका होना सामने आई है जिसकी जांच की जा रही है। आयोग की अध्यक्ष ने निर्देश जारी किए हैं कि सुधार के लिए लाए गए नाबालिग बच्चों के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार किया जाए। प्रभारी अधीक्षक के साथ ही यहां पर तैनात होमगार्ड के जवानों पर भी गलत गतिविधियों में शामिल होने का मामला उजागर हुआ था जिसके चलते दो जवानों को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है। बताया जा रहा है कि बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. निवेदिता शर्मा की नाराजगी के बाद अब महिला एवं बाल विकास विभाग और जिला प्रशासन में हड़कंप मचा हुआ है।

बाल संरक्षण आयोग अध्यक्ष ने निरीक्षण पाईं खामियां, डीपीओ को लगाई फटकार

बाल सम्प्रेक्षण गृह में अव्यवस्थाएं देख नाराज हुई डॉ. निवेदिता शर्मा, पौधारोपण कार्यक्रम छोड़ा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. निवेदिता शर्मा का उज्जैन दौरा महिला एवं बाल विकास विभाग की कार्यप्रणाली पर कई सवाल छोड़ गया। बाल संरक्षण से जुड़े संस्थानों के निरीक्षण के दौरान उन्हें कई गंभीर खामियां और अनियमितताएं मिलीं, जिस पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए जिला कार्यक्रम अधिकारी (डीपीओ) बृजेश त्रिपाठी को मौके पर ही फटकार लगाते हुए व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश दिए।

विभाग से जुड़े सूत्रों के अनुसार डॉ. शर्मा ने अपने प्रवास के दौरान बाल ग्रह एवं अन्य संस्थानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण में बच्चों की देखभाल, व्यवस्थाओं की निगरानी तथा प्रशासनिक नियंत्रण से जुड़े कई मामलों में कमियां सामने आईं। आयोग अध्यक्ष ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि बच्चों से जुड़े संस्थानों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

बच्चों की शिकायतों को गंभीरता से लिया आयोग अध्यक्ष ने- आयोग अध्यक्ष का दौरा उस समय और चर्चा में आ गया जब वे बाल सम्प्रेक्षण गृह मालनवासा पहुंचीं। यहां उनके पौधारोपण कार्यक्रम का भी प्रस्ताव था, लेकिन निरीक्षण के दौरान सामने आई शिकायतों और अनियमितताओं से वे इतनी नाराज हुईं कि बिना पौधारोपण किए ही रवाना हो गईं। विभागीय सूत्रों के अनुसार निरीक्षण के दौरान कुछ बालकों ने स्टाफ पर मारपीट, गाली-गलौज और दुर्व्यवहार के आरोप लगाए। इन शिकायतों को आयोग अध्यक्ष ने गंभीरता से लिया और संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा। संस्थान की व्यवस्थाओं को लेकर भी उन्होंने असंतोष जताया।

डीपीओ की निगरानी पर उठे सवाल- निरीक्षण के बाद सबसे अधिक सवाल महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला स्तरीय मॉनिटरिंग पर उठे। आयोग अध्यक्ष की फटकार के बाद यह चर्चा तेज हो गई कि यदि संस्थानों में लंबे समय से ऐसी शिकायतें थीं तो जिला कार्यक्रम अधिकारी बृजेश त्रिपाठी द्वारा समय रहते प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं की गई। आयोग अध्यक्ष की नाराजगी के बाद विभाग हरकत में आया और तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने पड़े। इससे यह भी संकेत मिला कि निरीक्षण में सामने आई कमियों को लेकर विभागीय स्तर पर गंभीर चूक हुई थी।

मारपीट प्रकरण में प्रभारी अधीक्षक हटाए गए- बालकों के साथ कथित मारपीट और दुर्व्यवहार की शिकायतों के बाद जिला कार्यक्रम अधिकारी बृजेश त्रिपाठी ने आदेश जारी कर प्रभारी अधीक्षक मेहताब सिंह परस्ते को सम्प्रेक्षण गृह से हटा दिया। उन्हें बाल ग्रह में पदस्थ किया गया है। वहीं, उनके स्थान पर लोकेन्द्र सिंह सोलंकी को बाल सम्प्रेक्षण गृह का प्रभार सौंपा गया है। विभागीय आदेश के बाद संस्थान में प्रशासनिक बदलाव लागू कर दिया गया।

संदेश साफ, बच्चों के अधिकारों से समझौता नहीं- डॉ. निवेदिता शर्मा को प्रदेश में सख्त और परिणाम आधारित कार्यशैली के लिए जाना जाता है। उज्जैन दौरे में उनका रुख भी उसी का उदाहरण रहा। निरीक्षण के दौरान मिली खामियों पर उन्होंने स्पष्ट संकेत दिया कि बच्चों की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों से जुड़ी व्यवस्थाओं में किसी भी स्तर की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

आयोग अध्यक्ष के दौरे के बाद अब महिला एवं बाल विकास विभाग की कार्यप्रणाली और जिला स्तर की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। साथ ही यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि निरीक्षण में सामने आई कमियों को दूर करने के लिए विभाग आगे क्या कदम उठाता है।

हत्या का खुलासा करने वाली टीम का सम्मान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उन्हेल के पिपलिया डाबी में हुई भारतसिंह राजपूत की हत्या का चंद घंटो में खुलासा करने और हत्या में शामिल मृतक की पत्नी सोनाकुंवर और प्रेमी जितेन्द्र राजपूत को गिरफ्तार करने वाली उन्हेल थाना पुलिस को सोमवार को ग्रामीणों द्वारा पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया गया। ग्रामीणों ने अंधाकत्ल प्रतीत हो रहे मामले में गंभीरता से कार्रवाई करते हुए मृतक के अंतिम संस्कार बाद ही रात में दोनों को गिरफ्तार करने पर पुलिस टीम की कार्यशैली की सरहाना की। थाना प्रभारी संतोष चौहान ने बताया कि रविवार शाम मामले का खुलासा करने के बाद सोमवार दोपहर दोनों को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से जितेन्द्र को खाचरौद उपजेल भेजा गया है। वहीं सोनाकुंवर को उज्जैन जेल में दाखिल कराया है। जल्द मामले की विवेचना पूरी कर अभियोग पत्र भी कोर्ट में प्रस्तुत कर दोनों आरोपियों को सख्त सजा

होटल संचालक ने जहर खाकर की आत्महत्या

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। चाय नाश्ते की होटल चलाने वाले ने सोमवार को जहर खा लिया। परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे जहां कुछ घंटे चले उपचार के बाद उसकी मौत हो गई। जहर खाकर आत्महत्या का कारण सामने नहीं आया है पुलिस मामले की जांच कर रही है।

माकडोन के नयापुरा में रहने वाला अर्जुन पिता मायाराम नायक 33 साल गांव के ही चौराहे पर चाय नाश्ते की होटल संचालित करता था। शाम को उसने अपने घर पर जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ती देख मां गीताबाई और पत्नी उसे अस्पताल लेकर पहुंचे जहां से उज्जैन रेफर किया गया। परिजनों ने निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां कुछ घंटे बाद अर्जुन की मौत हो गई। मंगलवार सुबह पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया इस दौरान सामने आया कि अर्जुन दो बच्चों का पिता था लेकिन उसने जहर क्यों खाया इसका कारण स्पष्ट नहीं है। आशंका जताई जा रही है कि आर्थिक परेशानी के चलते उसने आत्महत्या की है पुलिस जांच और परिजनों के बयान के बाद ही सामने आएगा कि अर्जुन की मौत के पीछे वजह क्या थी।

पीटीएस में प्रशिक्षण लेकर सेवा के लिए तैयार हुए नए आरक्षक

एडीजी राकेश गुप्ता ने परेड की सलामी ली, कहा सिंहस्थ के लिए तैयार रहे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय उज्जैन में नव आरक्षकों के 5वें बुनियादी प्रशिक्षण सत्र का दीक्षांत परेड समारोह मंगलवार सुबह गरिमामय वातावरण में हुआ। मक्सी रोड स्थित पाटपाला परिसर के परेड ग्राउंड पर आयोजित समारोह में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक उज्जैन जोन राकेश गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने नए आरक्षकों को सिंहस्थ में सेवा देने के लिए तैयार रहने को कहा।

समारोह के दौरान नव आरक्षकों ने आकर्षक मार्च पास्ट और अनुशासित परेड का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि ने परेड की सलामी लेकर प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले आरक्षकों को बधाई दी और उन्हें पुलिस सेवा में ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा एवं जनसेवा की भावना के साथ कार्य करने का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान अर्जित अनुशासन, शारीरिक दक्षता और व्यावसायिक कौशल भविष्य में पुलिस बल की जिम्मेदारियों के निर्वहन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षुओं को सम्मानित भी किया गया।

पुलिस अधीक्षक मनीषा पाठक सोनी एवं पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों की मौजूदगी में आयोजित यह समारोह उत्साह के साथ हुआ। सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने वाले नव आरक्षक अब प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर अपनी सेवाएं देने के लिए तैयार हैं।

जमीन का सौदा कर 36 लाख की धोखाधड़ी करने वाले गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। फर्जी भूमि स्वामी बनकर जमीन का एक करोड़ 39 लाख में सौदा करने के बाद अनुबंध के रूप में 36 लाख रुपए लेकर धोखाधड़ी करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिन्हें आज न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा। दोनों आरोपियों से फर्जी दस्तावेजों के साथ मोबाइल और कार जप्त की गई है माधवनगर थाना पुलिस ने 2 दिन पूर्व मानपुरा में रहने वाले रविन्द्रसिंह तंवर की शिकायत पर मंगलसिंह और फर्जी भूमि स्वामी बनकर ग्राम सलामता में 12 बीघा का सौदा करते हुए 36 लाख की धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया था। रविंद्र सिंह ने शिकायत में बताया था कि अनुबंध के दौरान 10 लाख रुपए नगद और 25 लाख रुपए का चेक दिया गया था वहीं 95,000 ऑनलाइन ट्रांसफर किए गए थे। सौदा 1.39 करोड़ में हुआ था जब वह परिवार के साथ जमीन पर पहुंचे तो जमीन का मालिक दूसरा होना सामने आया था। पुलिस ने धोखाधड़ी करने वाले दोनों आरोपियों की तलाश शुरू की और सोमवार सुबह विक्रमनगर ब्रिज के पास से स्वीफ्ट कार में सवार होकर जाते समय पकड़ा लिया। जिनके पास से मोबाइल फोन, भूमि अनुबंध संबंधी दस्तावेज, कई नामों से तैयार फर्जी पहचान पत्रों की प्रतियां बरामद की गई।

एमआईसी में महापौर की 'सर्जिकल स्ट्राइक'

शिवेंद्र तिवारी की कुर्सी गई, लोक निर्माण विभाग भी छिना- निगम की सियासत में तेज हुई हलचल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम की महापौर परिषद (एमआईसी) में महापौर मुकेश टटवाल ने ऐसा प्रशासनिक फेरबदल किया है, जिसने निगम की राजनीति में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। करीब साढ़े तीन साल तक लोक निर्माण एवं उद्यान जैसे अहम विभाग संभालने वाले एमआईसी सदस्य शिवेंद्र तिवारी को परिषद से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। इसके साथ ही उनके पास मौजूद दोनों महत्वपूर्ण विभाग भी वापस ले लिए गए हैं।

1 जून को जारी आदेश के अनुसार एमआईसी की सदस्य संख्या 10 से घटाकर 9 कर दी गई है। सबसे बड़ा बदलाव शिवेंद्र तिवारी को सदस्य पद से मुक्त करने के रूप में सामने आया है। राजनीतिक गलियारों में इसे सीधे तौर पर तिवारी के पर कतरने की कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है।

महापौर ने तिवारी से छीना गया उद्यान विभाग एमआईसी सदस्य कैलाश प्रजापति को सौंप दिया है, जबकि नगर निगम का सबसे प्रभावशाली माना जाने वाला लोक निर्माण विभाग फिलहाल किसी अन्य सदस्य को नहीं देकर स्वयं अपने पास रख लिया है। इस फैसले ने राजनीतिक संकेतों को और भी मजबूत कर दिया है। फेरबदल के तहत सामान्य प्रशासन विभाग अनिल गुप्ता, जलकार्य विभाग प्रकाश शर्मा और राजस्व विभाग रजत मेहता को दिया गया है। वित्त एवं लेखा विभाग की जिम्मेदारी सुगन बाई वाघेला को सौंपी गई है। विद्युत विभाग दुर्गा चौधरी के पास यथावत रहेगा। वहीं स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग सत्यनारायण चौहान को सौंपा गया है। एक अन्य महत्वपूर्ण बदलाव में यांत्रिकी विभाग दुर्गा चौधरी से लेकर जितेंद्र कुवाल को दे दिया गया है। शहरी गरीबी उपशमन विभाग भी उनके पास ही रहेगा।

बिना सूचना हटाए जाने से बढ़े सवाल- पूरे घटनाक्रम का सबसे दिलचस्प पहलू यह रहा कि शिवेंद्र तिवारी ने स्वयं कहा कि उन्हें इस संबंध में पहले कोई जानकारी नहीं दी गई और न ही कोई चर्चा हुई। उनके इस बयान के बाद निगम की राजनीति में कई तरह की अटकलें शुरू हो गई हैं।

अब घर बैठे मिलेगा डॉक्टर का नंबर, एक कॉल पर बुक होगी अपॉइंटमेंट

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के मरीजों के लिए अब डॉक्टर से परामर्श लेना और अस्पताल में नंबर लगवाना पहले से कहीं अधिक आसान हो गया है। आयुष्मान भारत निरामय हेल्पलाइन के माध्यम से अब नागरिक घर बैठे फोन कर शासकीय अस्पतालों के साथ-साथ आयुष्मान योजना में पंजीकृत निजी अस्पतालों में भी डॉक्टर की अपॉइंटमेंट बुक करा सकेंगे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल ने बताया कि इसके लिए मरीजों को केवल हेल्पलाइन नंबर 1800-233-2085 पर कॉल करना होगा। कॉल के दौरान हेल्पलाइन एग्जीक्यूटिव मरीज से आवश्यक जानकारी लेकर नजदीकी अस्पताल में उपचार के लिए मार्गदर्शन देंगे। मरीज अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी शासकीय अस्पताल या आयुष्मान योजना से जुड़े निजी अस्पताल का चयन भी कर सकते हैं। अपॉइंटमेंट दर्ज होने के बाद मरीज के मोबाइल पर अस्पताल का नाम, समय और अपॉइंटमेंट नंबर सहित पूरी जानकारी एसएमएस के माध्यम से भेजी जाएगी। अस्पताल पहुंचने पर यह मैसेज दिखाने पर मरीज को ओपीडी और चिकित्सक से परामर्श लेने में प्राथमिकता मिलेगी। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार यह सुविधा सभी आयु वर्ग और सभी प्रकार के रोगियों के लिए उपलब्ध है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

मध्यप्रदेश में पर्यटन का नया अध्याय

पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा

तेज, सुरक्षित और यादगार यात्रा का अनूठा अनुभव

भोपाल
झीलों की नगरी, मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल आधुनिक शहरी विकास और सांस्कृतिक विरासत का केन्द्र

ओरछा
यहां भगवान राम स्वयं इस नगर के राजा के रूप में विराजे हैं

चंदेरी
प्राचीन किलों और हथकरघा चंदेरी साड़ियों के लिए विश्व प्रसिद्ध

जबलपुर
भेड़ाघाट की संगमरमर की घाटी, धुआंधार जलप्रपात और प्राकृतिक सौंदर्य का अद्वितीय अनुभव

मैहर
चित्रकूट पर्वत पर स्थित माँ शारदा देवी मंदिर आस्था का प्रमुख केंद्र

चित्रकूट
भगवान श्रीराम के वनवास से जुड़ा, आध्यात्मिक महत्व का अद्भुत स्थल

बांधवगढ़ नेशनल पार्क
सबसे अधिक संख्या में बाघों की उपस्थिति। प्राकृतिक एवं ऐतिहासिक पर्यटन का अद्वितीय स्थल

कान्हा नेशनल पार्क
सबसे प्रसिद्ध टाइगर रिज़र्व समृद्ध वन्यजीव और जैवविविधता का गढ़

इंदौर
मध्यप्रदेश की व्यापारिक राजधानी होने के साथ-साथ स्वच्छता का सिरमौर इंदौर अपने राजवाड़ा सराफा और आधुनिक जीवन के लिए प्रसिद्ध है

उज्जैन
भगवान महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग और सिंहस्थ कुंभ जैसे विशाल आध्यात्मिक आयोजन के लिए विश्वविख्यात

ओंकारेश्वर
ज्योतिर्लिंग के दिव्य दर्शन और अद्वितीय प्राकृतिक सौंदर्य का अनुभव

आध्यात्मिक सर्किट

इंदौर - उज्जैन - ओंकारेश्वर - इंदौर	₹30,000
इंदौर - उज्जैन - इंदौर	₹14,500
इंदौर - ओंकारेश्वर - इंदौर	₹18,000

हेरिटेज सर्किट

भोपाल से चंदेरी	₹5,500	चंदेरी से ओरछा	₹2,750
भोपाल से ओरछा	₹6,500	जॉय राइड	₹3,500
भोपाल - ओरछा - भोपाल	(विशेष पैकेज)		₹14,500

वाइल्डलाइफ एवं आस्था सर्किट

जबलपुर - मैहर	₹5,000	जबलपुर - बांधवगढ़	₹6,500
जबलपुर - चित्रकूट	₹7,500	जबलपुर – कान्हा	₹6,000
मैहर - चित्रकूट	₹5,000	बांधवगढ़ – कान्हा	₹7,000

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

एक संपूर्ण यात्रा पैकेज

- गंतव्य स्थल पर ठहरने की व्यवस्था से लेकर भोजन, स्थानीय टैक्सी तक हर सुविधा का पैकेज
- मंदिर दर्शन की पूर्व निर्धारित व्यवस्था, पर्यटन अनुभव को और खास बनाने के लिए गाइड
- हेलीपैड तक पिक-अप और ड्रॉप की सुविधा

बुकिंग | www.flyola.in air.irctc.co.in/flyola www.transbharat.in

D11026/26